फाल्गुन शुक्ल - 7 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 219 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 06-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 नए जोश के साथ नई ऊंचाइयों को छूने को तत्पर हैं किंग कोहली

6 धनंजय मुंडे के इस्तीफे से महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान?

7 विद्या बालन बनी फेडरल बैंक की ब्रांड एंबेसडर

फर्स्ट टेक

दक्षिण सूडान में सेना ने उपराष्ट्रपति के घर को घेरा

जुबा/एपी। दक्षिण सूडान के सैनिकों ने बुधवार को राजधानी में उपराष्ट्रपति रीक माचर के घर को घेर लिया और उनके कई सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया। यह घटनाक्रम देश के उत्तर में स्थित एक सैन्य प्रतिष्ठान पर माचर से संबद्ध एक सशस्त्र समूह द्वारा हमला किए जाने के बाद हुआ। राष्ट्रपति साल्वा कीर के साथ माचर की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता अतीत में गृहयुद्ध में बदल चुकी है। माचर के प्रति वफादार सेना उपप्रमुख जनरल गेब्रियल डुओप लैम को उत्तर में लड़ाई के दौरान मंगलवार को हिरासत में ले लिया गया, जबकि माचर के सहयोगी और पेट्रोलियम मंत्री पुओट कांग चोल को उनके अंगरक्षकों और परिवार के साथ बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारियों का कोई कारण नहीं बताया गया।

चीन ने रक्षा बजट बढ़ाकर 249 अरब डॉलर किया

बीजिंग/भाषा। चीन ने बुधवार को अपने राष्ट्रीय रक्षा बजट में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की, जिससे इस वर्ष इसका कुल रक्षा बजट 249 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। चीन द्वारा यह घोषणा युद्धपोतों और नई पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को तेजी से विकसित करने सहित सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के अपने तीव्र प्रयासों के बीच की गई है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर में कहा गया है कि, प्रधानमंत्री ली क्विंग द्वारा चीन की संसद में प्रस्तुत मसौदा बजट रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष देश का नियोजित रक्षा व्यय लगभग 249 अरब अमेरिकी डॉलर है। पिछले साल चीन ने अपना रक्षा बजट 7.2 प्रतिशत बढ़ाकर लगभग 232 अरब अमेरिकी डॉलर कर दिया था। अमेरिका के बाद चीन के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा बजट है।

तेजस में जीवन रक्षक प्रणाली का अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सफल परीक्षण

नई दिल्ली/एजेन्सी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की एक प्रयोगशाला ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस के लिए देश में ही विकसित ऑन-बोर्ड ऑक्सीजन जनरेटिंग सिस्टम (ओबीओजीएस) आधारित जीवन रक्षक प्रणाली का अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सफल परीक्षण किया है। यह एक अत्याधुनिक प्रणाली है जिसे उड़ान के दौरान पायलटों के लिए सांस लेने योग्य ऑक्सीजन उत्पन्न करने और नियंत्रित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इससे पारंपरिक तरल ऑक्सीजन सिलेंडर-आधारित प्रणालियों पर निर्भरता समाप्त हो जायेगी।

06-03-2025 सूर्यास्त 6:18 बजे | 07-03-2025 सूर्योदय 6:21 बजे

BSE 73,730.23 (+740.30) | NSE 22,337.30 (+254.65)

सोना 8,997 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 107,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भटकाव

बर्फीले तूफानों में भी,
सीमा पर प्रहरी डटे हुए।
भीतर हम सिर्फ सियासत से,
दल जाति धर्म में बँटे हुए।
हैं विविध सभी पर सदा एक,
ये नारे सबको रटे हुए।
क्या करना था सब भटक गए,
मुद्दों से सारे हटे हुए।।

विविधता का अमृत महोत्सव

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को यहां राष्ट्रपति भवन में 'विविधता का अमृत महोत्सव' के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि 'विविधता का अमृत महोत्सव' के दूसरे संस्करण में लोगों को पांच राज्यों – कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश तथा दो केंद्र शासित प्रदेशों – लक्षद्वीप और पुडुचेरी की जीवंत सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानने का मौका मिलेगा। इस उत्सव में लगभग 500 कारीगर और बुनकर भाग ले रहे हैं। उन्होंने लोगों से महोत्सव में भाग लेने, दक्षिण भारत की कला और संस्कृति के बारे में जानने का आग्रह किया। इससे सभी कारीगरों और कलाकारों का मनोबल भी बढ़ेगा। भारत की समृद्ध विविधता का जश्न मनाने और उसे प्रदर्शित करने के लिए राष्ट्रपति भवन में 'विविधता का अमृत महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव को सात अलग-अलग संस्करणों में संरचित किया गया है – उत्तर-पूर्व, दक्षिण, उत्तर, पूर्व, पश्चिम, मध्य क्षेत्र और केंद्र शासित प्रदेश। इस उत्सव का दूसरा संस्करण दक्षिणी राज्यों पर केंद्रित है।

स्वदेशी व लोकल फॉर वोकल का मंत्र अपनाएं छात्र : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरसा/एजेन्सी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को 'आर्थिक राष्ट्रवाद' का उदाहरण देते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जिक्र किया और विद्यार्थियों को 'स्वदेशी' अपनाने और 'वोकल फॉर लोकल' का मंत्र अपनाने का संदेश दिया।

धनखड़ हरियाणा में सिरसा स्थित जननायक चौधरी देवीलाल विद्यापीठ के अब्दुल कलाम सभागार कक्ष में वार्षिक दीक्षांत समारोह-2025 में भाग लेते हुए इस आशय की बात कही।

धनखड़ ने उपस्थित छात्र-छात्राओं से अपने संबोधन में कहा कि भारत इस वक्त संभावनाओं से भरा हुआ है और पूरी दुनिया के नजरें भारत पर टिकी हैं। इस वक्त भारत स्टार्टअप के लिए सबसे बड़ा इकोसिस्टम है और यहां पर इंटरनेट कंजप्शन विकसित देशों से भी ज्यादा है। भारत में डिजिटल ट्रांजेक्शन पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है।

भारत इस वक्त संभावनाओं से भरा हुआ है और पूरी दुनिया के नजरें भारत पर टिकी हैं। इस वक्त भारत स्टार्टअप के लिए सबसे बड़ा इकोसिस्टम है और यहां पर इंटरनेट कंजप्शन विकसित देशों से भी ज्यादा है।

उन्होंने आर्थिक राष्ट्रवाद का उदाहरण देते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जिक्र किया और विद्यार्थियों को स्वदेशी अपनाने और वोकल फॉर लोकल का मंत्र अपने का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल के जीवन से प्रेरणा लेने का आवाहन करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा राष्ट्र को पहल दी और राष्ट्र को सर्वोपरि रखा।

धनखड़ ने कहा कि उन्होंने चौधरी देवीलाल जी से बहुत कुछ सीखा है जो आज भी उनके लिए उपयोगी है। इसके साथ ही उन्होंने जेसीडी के विद्यार्थिओं को नएं संसद भवन में आने का निमंत्रण भी दिया और कहा कि नया भवन भारत के पांच हजार साल के इतिहास को प्रतिबिंबित करता है। वहां पर विद्यार्थी आएं और मेरे साथ लन्च करें।

उधर इससे पहले गांव ओढां स्थित माता हरकी देवी शिक्षण संस्थान में दीक्षांत समारोह-2025 यशस्वी भव: में उप-राष्ट्रपति धनखड़ मुख्यातिथि के तौर पर शामिल हुए। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी डॉ सुदेश धनखड़ भी साथ थीं।

केदारनाथ और हेमकुंड साहिब तक रोपवे के निर्माण को मंजूरी

नई दिल्ली/एजेन्सी। सरकार ने पर्वतमाला परियोजना के अंतर्गत उत्तराखंड में स्थिति तीर्थ स्थल बाबा केदारनाथ तथा सिखों के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हेमकुंड साहिब के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को रोपवे की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कुल 6811 करोड रुपए की लागत की दो परियोजनाओं के निर्माण को आज मंजूरी प्रदान की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की आज यहां हुई बैठक में इन दोनों परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी। रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इन परियोजनाओं पर डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और स्थानांतरण-डीबीएफओटी मोड पर काम कराया जाएगा जिन्हें चार से छह वर्ष के भीतर पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों रोपवे परियोजनाओं को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधीन कंपनी राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) द्वारा बनाया जाएगा। श्री वैष्णव बताया कि उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ 12.9 किलोमीटर लम्बी रोपवे परियोजना के निर्माण पर 4081.28 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा।

मणिपुर में लगातार दो बार भूकंप

शिलांग/इंफाल/गुवाहाटी/भाषा। मणिपुर में बुधवार को लगातार दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। इनमें से एक भूकंप की तीव्रता 5.7 थी तथा भूकंप के झटके पूरे पूर्वोत्तर में महसूस किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शिलांग में क्षेत्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अधिकारियों के अनुसार, राज्य में पूर्वाह्न 11 बजकर छह मिनट पर 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र इंफाल पूर्वी जिले के यायरिपोक से 44 किलोमीटर पूर्व में और 110 किलोमीटर की गहराई पर था। उन्होंने बताया कि भूकंप के झटके असम, मेघालय और क्षेत्र के अन्य हिस्सों में महसूस किए गए। मणिपुर में दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर 4.1 तीव्रता का एक और भूकंप आया।

औरंगजेब की प्रशंसा करने पर सपा विधायक अबू आजमी महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आसिम आजमी को मुगल बादशाह औरंगजेब की प्रशंसा करने वाली टिप्पणी के कारण बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा से 26 मार्च को समाप्त होने वाले बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। आजमी ने उनके साथ नाइंसाफी होने का दावा करते हुए कहा कि टिप्पणी वापस लेने के बावजूद उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी से आजमी की टिप्पणी पर रुख स्पष्ट करने को कहा तथा मांग की कि मुगल शासक का महिमामंडन करने के लिए उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया जाना चाहिए।

आजमी के कार्यालय द्वारा जारी एक वीडियो बयान में समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक ने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं कहा था लेकिन सदन की कार्यवाही जारी रह सके, इसलिए उन्होंने विधानसभा के बाहर की गई अपनी टिप्पणी को वापस ले लिया। आजमी ने कहा, फिर भी मुझे निलंबित कर दिया गया।

राज्य के मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने बुधवार को सदन में शेष अवधि के लिए आजमी के निलंबन का प्रस्ताव पेश किया। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कहा कि औरंगजेब की प्रशंसा में बयान देना मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके बेटे छत्रपति संभाजी महाराज का अपमान है। प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित किया गया। पाटिल ने कहा, औरंगजेब की प्रशंसा और संभाजी महाराज की आलोचना करने वाली आजमी की टिप्पणियां एक विधानसभा के सदस्य को शोभा नहीं देती हैं और यह विधानसभा का अपमान है।

न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में

लाहौर/एजेन्सी। रचिन रविंद्र (108), केन विलियमसन (102) की शानदार शतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने बुधवार को चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 50 रनों से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। रविवार को फाइनल में न्यूजीलैंड का मुकाबला भारत के साथ होगा। 363 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 20 रन के स्कोर पर अपने रायन रिकलटन (17) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रासी वान दर दुसें ने कप्तान तेम्बा बवूमा के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी हुई।

पिछले 10 दिन में यमुना से 1,300 मीट्रिक टन कचरा निकाला गया : प्रवेश वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश वर्मा ने बुधवार को नाव से यमुना का निरीक्षण किया और कहा कि पिछले 10 दिन में नदी से 1,300 मीट्रिक टन कचरा निकाला गया है।

बाद में, उन्होंने सफाई कार्यों की प्रगति का आकलन करने के लिए अधिकारियों के साथ एक बैठक की और कहा, दिल्ली के सभी नालों को सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) से जोड़ा जाएगा और उनकी क्षमता बढ़ाई जाएगी ताकि अपशिष्ट जल को नदी में बहने से रोका जा सके।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हाल में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनाव में यमुना की सफाई का वादा किया था। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि सीवेज उपचार संयंत्र से संबंधित शिकायतों का समाधान किया जायेगा और दो साल के भीतर सभी एसटीपी स्थापित किए जाने की उम्मीद है।

वर्मा ने कहा, 2023 में दिल्ली को बाढ़ का सामना करना पड़ा। पहले सभी जलद्वार बंद कर दिए गए थे, लेकिन अब भविष्य में बाढ़ को रोकने के लिए उनकी मरम्मत कर दी गई है और उन्हें ऊंचा कर दिया गया है।

मंत्री ने कहा, हमारी सबसे बड़ी प्रतिबद्धता यमुना को पूरी तरह से साफ करना और उसका पुनरुद्धार करना है। पिछले 10 दिन में 1,300 मीट्रिक टन कचरा निकाला जा चुका है। दिल्ली विकास प्राधिकरण नदी के तल को बहाल करेगा और अतिक्रमण हटाया जा रहा है।

भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करते हुए वर्मा ने कहा कि रासायनिक अपशिष्टों का उचित निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए औद्योगिक क्षेत्रों में सामान्य उपचार संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।

वह दिन दूर नहीं जब भारत 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था होगा : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सरकार ने युवाओं को नए अवसर और व्यावहारिक कौशल देने के लिए 'पीएम इंटर्नशिप' योजना शुरू की है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर स्तर पर व्यवसाय इस योजना में सक्रिय रूप से भाग लें।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह दिन दूर नहीं जब भारत 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने सभी हितधारकों से रोजगार सृजन के लिए कौशल विकास और नवोन्मेषण में निवेश करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रोजगार सृजन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ऐसा करना जरूरी है।

बजट के बाद आयोजित एक वेबिनार में मोदी ने कहा कि सरकार ने 2014 से तीन करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया है। उन्होंने कहा कि 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को उन्नत करने और पांच उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का फैसला भी किया गया है।

मोदी ने कहा कि क्षमता निर्माण और प्रतिभा पोषण राष्ट्रीय विकास के लिए आधारशिला के रूप में कार्य करते हैं। विकास के अगले चरण में इन क्षेत्रों में अधिक निवेश जरूरी है। उन्होंने कहा, लोगों में निवेश की दृष्टि तीन स्तंभों – शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास पर आधारित है। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों को आगे आना चाहिए, क्योंकि वे भारतीय अर्थव्यवस्था की सफलता की कुंजी हैं।

प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था एक दशक (2015-2025) में 66 प्रतिशत बढ़ी है। भारत वर्तमान में 3,800 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था है।

मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और वह दिन दूर नहीं, जब देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर जाएगा।

उन्होंने अर्थव्यवस्था का विस्तार जारी रखने के लिए सही दिशा में सही निवेश करने के महत्व पर भी जोर दिया। मोदी ने कहा कि सरकार ने युवाओं को नए अवसर और व्यावहारिक कौशल देने के लिए 'पीएम इंटर्नशिप' योजना शुरू की है। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर स्तर पर व्यवसाय इस योजना में सक्रिय रूप से भाग लें। इस साल के बजट में, हमने 10,000 अतिरिक्त मेडिकल सीट की घोषणा की है। अगले पांच साल में चिकित्सा क्षेत्र में 75,000 और सीट जोड़ने का लक्ष्य है।

प्रधानमंत्री की 'मंगलसूत्र' वाली बात सच हुई, महिलाएं गहने गिरवी रखने को मजबूर : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'गोल्ड लोन' में व्यापक बढ़ोतरी का हवाला देते हुए बुधवार को दावा किया कि बीते लोकसभा चुनाव के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई 'मंगलसूत्र चुराकर ले जाने' वाली बात सच साबित हुई है कि उनके शासन में महिलाएं अपने गहने गिरवी रखने को मजबूर हैं।

खरगे ने यह भी कहा कि 2019 से 2024 के बीच 4 करोड़ महिलाओं ने अपने सोने को गिरवी रख 4.7 लाख़ करोड़ का ऋण लिया है।

लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने एक चुनावी सभा में कहा था कि देश की संपत्ति को लूटने का अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझने वाली कांग्रेस की नजर अब महिलाओं के मंगलसूत्र पर है।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, नरेन्द्र मोदी जी, आपने ''मंगलसूत्र चुरा कर ले जाने'' वाली बात की थी। वो अब सच हो गई। आपके ही राज ने महिलाओं को अपने सोने के गहनों को गिरवी रखने पर मजबूर कर दिया है।

उन्होंने दावा किया, 2019 से 2024 के बीच 4 करोड़ महिलाओं ने अपने सोने को गिरवी रख 4.7 लाख़ करोड़ का ऋण लिया है। 2024 में महिलाओं द्वारा कुल लोन का 38 प्रतिशत हिस्सा गोल्ड लोन का है। फरवरी 2025 में रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चला कि गोल्ड लोन में एक साल में 71.3 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई।

ट्रंप ने भारत और चीन के खिलाफ जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/ वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और चीन सहित अन्य देशों द्वारा उच्च शुल्क लगाए जाने की आलोचना की और इसे ''बेहद अनुचित'' करार दिया। ट्रंप ने साथ ही घोषणा की कि अगले महीने से जवाबी शुल्क लगाए जाएंगे।

राष्ट्रपति ने जवाबी शुल्क को लेकर अपना पक्ष रखा और कहा कि ये दो अप्रैल से लगाए जाएंगे। वह अन्य देशों से आयात पर वही शुल्क लगाना चाहते हैं, जो वे देश अमेरिका से होने वाले निर्यात पर लगाते हैं।

ट्रंप ने मंगलवार रात कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, अन्य देशों ने दशकों से हमारे खिलाफ शुल्क लगाए हैं और अब हमारी बारी है कि हम उन देशों के खिलाफ इसका इस्तेमाल करें।

संकेत मिले हैं कि रूस शांति के लिए तैयार है, यूक्रेन बातचीत का इच्छुक है : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें रूस से ''मजबूत संकेत'' मिले हैं कि वह शांति के लिए तैयार है, साथ ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने उन्हें पत्र लिखकर कहा है कि उनका देश वार्ता की मेज पर आने और खनिज एवं सुरक्षा संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। ट्रंप ने यह बात मंगलवार रात कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा, मैं यूक्रेन में जारी भीषण संघर्ष को समाप्त कराने के लिए भी अथक प्रयास कर रहा हूं। इस भीषण और क्रूर संघर्ष में लाखों यूक्रेनी और रूसी बेवजह मारे गए या घायल हुए हैं। इसका कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें मंगलवार को जेलेंस्की का पत्र मिला जिसमें उन्होंने कहा कि '' यूक्रेन स्थायी शांति के लिए जल्द से जल्द बातचीत की मेज पर आने के लिए तैयार है।

एलएचडीसीपी में संशोधन किसानों के लिए बेहतर पशु स्वास्थ्य की दिशा में बड़ा कदम: मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) में संशोधन को केंद्रीय मंत्रिमंडल की ओर से मंजूरी दिया जाना किसानों के लिए बेहतर पशु स्वास्थ्य, उच्च उत्पादकता और समृद्धि की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, संशोधित पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी रोग नियंत्रण में सहायता करेगी, टीकाकरण कवरेज को बढ़ावा देगी, अधिक मोबाइल पशु चिकित्सक इकाइयों को शामिल करेगी और पशुओं के लिए सस्ती दवाएं सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा, यह किसानों के लिए बेहतर पशु स्वास्थ्य, उच्च उत्पादकता और समृद्धि की दिशा में एक बड़ा कदम है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इससे पहले एलएचडीसीपी में संशोधन को मंजूरी दी।

इस योजना के तीन घटक हैं – राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी), पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण (एलएचएंडडीसी) और पशु औषधि। एलएचएंडडीसी के तीन उप-घटक हैं: गंभीर पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (सीएडीसीपी), मौजूदा पशु चिकित्सा अस्पतालों और औषधालयों की स्थापना और सुदृढ़ीकरण-मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई (ईएसवीएचडी-एमवीयू) और पशु रोगों के नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता (एएससीएडी)।

एक बयान में कहा गया कि एलएचडीसीपी योजना में पशु औषधि को एक नए घटक के रूप में जोड़ा गया है। 2024-25 और 2025-26 के लिए योजना का कुल परिव्यय 3880 करोड़ रुपए है, जिसमें पशु औषधि घटक के तहत अच्छी गुणवत्ता वाली और सस्ती जेनेरिक पशु चिकित्सा दवा तथा दवाओं की बिक्री के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने के वास्ते 75 करोड़ रुपए का प्रावधान शामिल है।

अमेरिका के जवाबी शुल्क से निपटने के उपायों पर विचार कर रहा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क की चेतावनी से वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका बढ़ गई है। इसके साथ, भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की व्यापक रूपरेखा के तहत चुनौती का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने पर विचार कर रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को अपने संदेश में, संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए अमेरिकी उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाने के लिए यूरोपीय संघ, चीन और कनाडा के साथ-साथ भारत का भी उल्लेख किया।

ट्रंप ने अपनी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के अनुरूप भाषण के दौरान दो अप्रैल से कई व्यापारिक साझेदारों और उन देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की, जो अमेरिका से होने वाले आयात पर उच्च शुल्क लगाते हैं। उन्होंने कहा कि अन्य देशों ने दशकों से अमेरिका के खिलाफ शुल्क का इस्तेमाल किया है और अब उन देशों के खिलाफ इसका उपयोग करने की 'हमारी बारी' है।

ट्रंप ने कहा, औसतन, यूरोपीय संघ, चीन, ब्राजील, भारत, मेक्सिको और कनाडा - क्या आपने इनके बारे में सुना है? और कई अन्य देश हम पर लगने वाले शुल्क की तुलना में हमसे बहुत अधिक शुल्क वसूलते हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत अनुचित है। भारत हमसे वाहन शुल्क 100 प्रतिशत से अधिक वसूलता है। हमारे उत्पादों पर चीन का औसत शुल्क हमारे द्वारा वसूले जाने वाले शुल्क से दोगुना है। और दक्षिण कोरिया का औसत शुल्क चार गुना अधिक है। मामले से जुड़े लोगों ने अमेरिका में 13 फरवरी की वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ट्रंप की प्रतिबद्धता का जिक्र करते हुए कहा कि भारत समाधान खोजने के प्रति आश्वस्त है।

बैठक में, दोनों पक्ष इस साल के अंत तक एक वृहद व्यापार समझौते पर बातचीत करने और व्यापार घाटे को कम करने के साथ 2030 तक सालाना व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने पर सहमत हुए।

दोनों पक्षों ने समग्र व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता जताई है और भारत को उम्मीद है कि शुल्क के मुद्दे पर पारस्परिक रूप से लाभप्रद परिणाम सामने आएगा। मामले से जुड़े लोगों का कहना है कि भारत, ट्रंप प्रशासन के साथ व्यापार परिदृश्य को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहा है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल प्रस्तावित समझौते पर अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के साथ बातचीत के लिए इस सप्ताह वाशिंगटन में हैं। भारत में ऐसी उम्मीद है कि वह ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए जा रहे जवाबी शुल्क से बच सकता है।

ट्रंप ने 20 जनवरी को पदभार संभालने के बाद से कई मौकों पर उच्च शुल्क के लिए भारत की आलोचना की है और यहां तक कि देश को 'शुल्क लगाने के मामले में राजा' और 'शुल्क का दुरुपयोग करने वाला' भी बताया है।

भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में बॉर्बन व्हिस्की, वाइन और इलेक्ट्रॉनिक वाहन (ईवी) पर शुल्क कम करने की घोषणा की। इन निर्णयों को ट्रंप प्रशासन को एक संकेत भेजने के प्रयास के रूप में देखा गया कि भारत विशिष्ट क्षेत्रों में शुल्क कम करने के लिए तैयार है।

मुंडे का इस्तीफा केवल दिखावा, मामला शांत होने पर फिर मंत्री बनेंगे: शिवसेना (उबाठा)

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) ने बुधवार को दावा किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता धनंजय मुंडे का मंत्री पद से इस्तीफा देना केवल एक ''दिखावा'' है और बीड के सरपंच की हत्या का मामला शांत होने के बाद उन्हें महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में पुनः शामिल करने का आश्वासन दिया गया है। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में मुंडे की कड़ी आलोचना की गई है। इसमें मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड को सरपंच हत्या मामले में साजिशकर्ता बताया गया है और उनके (मुंडे) इस्तीफे को नाटक करार दिया गया है। मराठी दैनिक ने कहा कि मुंडे का इस्तीफा मांगने के बजाय उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर देना चाहिए था।

इसमें कहा गया है कि बीड जिले के राकांपा विधायक का यह कहना कि उन्होंने नैतिक आधार पर इस्तीफा दिया है, एक क्रूर मजाक है। परली से विधायक मुंडे फडणवीस सरकार में खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यरत थे। मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या से संबंधित भयावह तस्वीरें और अदालती आरोपपत्र के विवरण सामने आने के बाद विपक्ष ने मुंडे के इस्तीफे की मांग तेज कर दी थी। देशमुख हत्या मामले में मुंडे का करीबी सहयोगी कराड मुख्य आरोपी है। संपादकीय में दावा किया गया है कि मुंडे से इस्तीफा तभी मांगा गया जब उन्हें आश्वासन दिया गया कि मामला (सरपंच हत्या मामले से संबंधित) शांत होने के बाद उन्हें फिर से मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया जाएगा।

अपने एजेंडे के तहत काम करेंगे, उनके नहीं : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दल उनकी सरकार का एजेंडा तय नहीं कर सकता। साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार की चुनावी वादों को पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहरायी।

आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली में नवगठित भाजपा सरकार पर इसको लेकर दबाव बना रही है कि वह महिलाओं को 2,500 रुपए मासिक सहायता देने संबंधी अपनी योजना को लागू करने में तेजी लाये।

आप ने पहले विधानसभा सत्र में लगातार इस मुद्दे को उठाया है और कई बार विरोध प्रदर्शन किया है।

गुप्ता ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, किसी को हमें यह याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि कितने दिन बचे हैं...हम अपने एजेंडे के अनुसार काम करेंगे, वे निर्देशित नहीं करेंगे। उन्होंने आगामी विकसित दिल्ली बजट के लिए महिला संगठनों के साथ जारी परामर्श पर प्रकाश डाला और कहा कि चर्चा में स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण सहित विभिन्न मुद्दों को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, बजट से महिलाओं की सभी अपेक्षाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें सरकारी नीतियों में शामिल किया जाए।

गुप्ता ने घोषणा की कि अगले तीन दिनों में वह झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर महिलाओं से बातचीत करेंगी और उनकी चिंताओं को समझेंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, वह युवाओं से भी बातचीत करके उनका दृष्टिकोण जानने की योजना बना रही हैं। उन्होंने भाजपा के चुनाव घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को लागू करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा, आगामी दिल्ली बजट लोगों की उम्मीदों को पूरा करने वाला होगा। इससे पहले बुधवार को आप कार्यकर्ताओं ने दिल्ली भर में पोस्टर लगाए, जिन पर लिखा था, बस तीन दिन और बचे हैं। इसका उद्देश्य आठ मार्च तक महिलाओं को 2,500 रुपए मासिक वित्तीय सहायता देने के ''वादे'' को लेकर भारतीय जनता पार्टी सरकार पर दबाव बनाना था। आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। मंगलवार को विपक्ष की नेता आतिशी के नेतृत्व में आप कार्यकर्ताओं ने मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड का मुंबई में स्टार्टअप कंपनियों के साथ संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड ने बुधवार को उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सक्रिय स्टार्टअप कंपनियों के अधिकारियों के साथ बातचीत की। भारत की एक सप्ताह की यात्रा पर आईं राजकुमारी एस्ट्रिड ने मुंबई प्रवास की शुरुआत रूट मोबाइल के मुख्यालय के दौरे से की। इस कंपनी का बहुलांश स्वामित्व अब बेल्जियम की सरकारी दूरसंचार कंपनी प्रॉक्सिमस के पास है।

बेल्जियम के प्रतिनिधिमंडल ने मुंबई के उपनगरीय इलाके मलाड में स्थित रूट मोबाइल के मुख्यालय में अंतरिक्ष और ड्रोन प्रौद्योगिकी में सफलता हासिल कर चुकी पांच स्टार्टअप कंपनियों के बारे में जानकारी ली। बेल्जियम के 300 सदस्यीय आर्थिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहीं राजकुमारी एस्ट्रिड ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात की थी।

वह मुंबई में देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा निर्यातक टीसीएस के एक केंद्र में भी गईं। टीसीएस वर्ष 1992 से ही बेल्जियम में मौजूद है और वहां के बैंकों, खुदरा, विनिर्माण, यात्रा एवं दूरसंचार क्षेत्रों को सेवाएं मुहैया कराती है। विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने दोपहर का समय वीरमाता जीजाबाई उद्यान चिड़ियाघर में बिताया। वहां पर राजकुमारी एस्ट्रिड ने देश के एकमात्र हम्बोल्ट पेंगुइन बाड़े के आसपास कुछ समय बिताया।

माधव राष्ट्रीय उद्यान मप्र का नौवां बाघ अभयारण्य होगा : मुख्यमंत्री यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। शिवपुरी जिले में स्थित माधव राष्ट्रीय उद्यान को मध्य प्रदेश का नौवां बाघ अभयारण्य घोषित किया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को यह जानकारी दी। यादव ने कहा कि वह जल्द ही राष्ट्रीय उद्यान में बाघों का एक जोड़ा छोड़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश पहले ही 'बाघ राज्य' का दर्जा प्राप्त कर चुका है और यह वन्यजीव प्रेमियों के लिए पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है।

यादव ने कहा कि चंबल क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि से स्थानीय युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे।

चंबल क्षेत्र के श्योपुर जिले में स्थित कुनो राष्ट्रीय उद्यान में पहली बार तेंदुए देखे जा रहे हैं, जो अफ्रीकी चीतों का भी घर है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि चंबल नदी में घड़ियाल और डॉल्फिन परियोजना पर भी काम चल रहा है।

एक विज्ञप्ति के मुताबिक, यादव ने कहा कि देश में सबसे अधिक बाघ मध्य प्रदेश में हैं और हजारों पर्यटक उन्हें देखने के लिए राज्य में आते हैं।

मध्य प्रदेश में बाघों की बढ़ती संख्या और उनके संरक्षण के प्रयासों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए राज्य की जनता के साथ ही वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी।

दिल्ली में महिला नक्सली गिरफ्तार

फर्जी पहचान के आधार पर घरेलू सहायिका के रूप में करती थी काम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बाहरी दिल्ली के पीतमपुरा इलाके से झारखंड की रहने वाली एक महिला नक्सली को गिरफ्तार किया गया है। वह राष्ट्रीय राजधानी में फर्जी पहचान बताकर रह रही थी और एक घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती थी। पुलिस ने यहां बुधवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, 23 वर्षीय महिला नक्सली मूल रूप से पूर्वी राज्य के पश्चिमी सिंहभूम के कुदाबुरु गांव की रहने वाली है। वह पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के कई मामलों में वांछित थी। नक्सली के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

झारखंड की एक अदालत ने 26 मार्च 2023 को उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। पुलिस ने बताया कि महिला नक्सली संभवत: 2020 में दिल्ली आई थी। वह झूठी पहचान के आधार पर नोएडा और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में घरेलू सहायिका के तौर पर काम रही थी और इसके बाद वह अंतत: पीतमपुरा में रहने लगी। पुलिस उपायुक्त (अपराध) विक्रम सिंह ने बताया, कई महीनों की निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने के बाद अपराध शाखा को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में एक माओवादी चरमपंथी की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिली।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस की टीम ने चार मार्च को महाराणा प्रताप एन्क्लेव, पीतमपुरा में छापेमारी की थी और इस दौरान ही महिला नक्सली को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि एक किसान परिवार में उसका जन्म हुआ था और वह 10 वर्ष की आयु में ही मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) गुट में शामिल हो गई थी।

आरबीआई ने अजीत रत्नाकर जोशी को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने अजीत रत्नाकर जोशी को कार्यकारी निदेशक (ईडी) नियुक्त किया है। वह सांख्यिकी और सूचना प्रबंधन विभाग और वित्तीय स्थिरता विभाग को देखेंगे। जोशी कार्यकारी निदेशक के रूप में पदोन्नत होने से पहले सांख्यिकी और सूचना प्रबंधन विभाग में प्रमुख सलाहकार के रूप में कार्यरत थे।

उनके पास सांख्यिकी, सूचना प्रौद्योगिकी और साइबर जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में तीन दशक से अधिक का अनुभव है। उन्होंने हैदराबाद स्थिति 'इंस्टिट्यूट ऑफ डेवलपमेंट एंड रिसर्च इन बैंकिंग टेक्नोलॉजी' में संकाय सदस्य के रूप में भी काम किया है। जोशी ने वृहद आर्थिक आंकड़ों और नीतिगत मुद्दों के संकलन से संबंधित कई समितियों और कार्यसमूहों के सदस्य की भी जिम्मेदारी निभायी है। उनके पास नागपुर विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में मास्टर डिग्री, आईआईटी मद्रास से मौद्रिक अर्थशास्त्र में पीएचडी है। इसके अलावा, उन्होंने दिल्ली के 'इंस्टिट्यूट ऑफ इकनॉमिक ग्रोथ' से विकास नीति और योजना में डिप्लोमा किया है।

विपश्यना महज बहाना, अरविंद केजरीवाल विलासितापूर्ण जीवनशैली के आदी : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर पंजाब में अपने 10 दिन के विपश्यना सत्र के बहाने विलासितापूर्ण जीवनशैली का लुत्फ उठाने का आरोप लगाया। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में 'आप' की हार के बाद केजरीवाल राज्यसभा की सदस्यता हासिल करने की कोशिशों में जुटे हैं।

केजरीवाल या 'आप' की तरफ से इन आरोपों पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सचदेवा ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, चुनाव हारने के बाद अब वह (केजरीवाल) राज्यसभा की सदस्यता हासिल करने की फिराक में हैं, क्योंकि उन्हें विलासितापूर्ण जीवनशैली की आदत लग चुकी है। विपश्यना तो महज बहाना है, पंजाब में उनकी मौजूदगी की असली वजह 'आप' की प्रदेश इकाई में मची उथल-पुथल है। भाजपा नेता ने पंजाब में केजरीवाल के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था किए जाने की भी आलोचना की। 'आप' सुप्रीमो की सुरक्षा को लेकर जारी चिंताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए सचदेवा ने कहा, उन्हें (केजरीवाल को) खालिस्तानी तत्वों से किस तरह का खतरा है, जिनके साथ उन्होंने भोजन किया था और जिनसे उनकी पार्टी धन इकट्ठा करती है? यह एक तथ्य है कि 'आप' चुनावों के लिए इन राष्ट्र-विरोधी तत्वों से चंदा लेती आई है। यह जनता के पैसे लूटने की एक चाल के अलावा और कुछ नहीं है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने विपश्यना सत्र को लेकर केजरीवाल पर तंज कसा और उनके लिए की गई व्यापक सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाया।

एयर इंडिया ने 'व्हिसब्लोअर' शिकायत के बाद प्रशिक्षक पायलट को किया बर्खास्त

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने चूक के लिए एक प्रशिक्षक पायलट की सेवाएं समाप्त कर दी हैं और उसके अधीन प्रशिक्षण लेने वाले 10 पायलटों को जांच लंबित रहने तक उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने यह कार्रवाई हाल ही में एक 'व्हिसलब्लोअर' की तरफ से लगाए गए आरोपों के बाद की है। व्हिसलब्लोअर ने कहा था कि सिम्युलेटर प्रशिक्षक पायलट अपने कर्तव्यों का ठीक से निर्वहन करने में नाकाम रहा है।

एयर इंडिया ने बयान में कहा कि इन आरोपों की विस्तृत जांच की गई और साक्ष्यों की समीक्षा में इनकी पुष्टि हुई। एयरलाइन ने अधिक ब्योरा न देते हुए कहा कि आरोपी ट्रेनर पायलट की सेवाएं समाप्त की जा रही हैं।

इसके साथ ही एयरलाइन ने कहा, एहतियात के तौर पर ट्रेनर पायलट के अधीन प्रशिक्षण लेने वाले दस पायलटों को भी आगे की जांच लंबित रहने तक उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है। एयर इंडिया ने इस मामले की सूचना विमानन नियामक डीजीसीए को भी दे दी है। उसने व्हिसलब्लोअर की भी आगे आने के लिए सराहना की। प्रशिक्षक पायलट और संबंधित कार्रवाई से जुड़ा विवरण तत्काल पता नहीं चल सका।

विकसित भारत के लिए 2047 तक श्रमबल में 70% महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण: श्रम सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय श्रम सचिव सुमिता डावरा ने बुधवार को कहा कि विकसित भारत के लिए 2047 तक कार्यबल में 70 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने महिला उद्यमियों के लिए मार्गदर्शन का भी जिक्र किया। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सेवा क्षेत्र में महिलाओं पर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें महिलाओं की भागीदारी की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत उनके लिए शिक्षा बढ़ाने का सुझाव दिया।

सचिव ने महिला उद्यमियों और स्टार्टअप के लिए उद्यम पूंजी सहायता बढ़ाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, महिला उद्यमियों के लिए यह (उद्यम पूंजी सहायता) बहुत महत्वपूर्ण है। महिलाओं को नेतृत्व और निर्णय लेने वाली भूमिकाओं के लिए मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। हमारे पास प्रावधान है, हमें महिलाओं के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान करना चाहिए, जहां इसकी आवश्यकता है। डावरा ने सेवा क्षेत्र में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे पूर्वाग्रह हो सकते हैं जो उन्हें कार्यबल में प्रवेश करने से रोकते हैं। नेतृत्व की भूमिकाओं में भी वेतन असमानताएं हो सकती हैं, नौकरी की सुरक्षा संबंधी चिंताएं और घरेलू और पेशेवर जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाने जैसे मुद्दे हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग 45 प्रतिशत महिलाएं बच्चों की देखभाल और घरेलू प्रतिबद्धताओं को कार्यबल में भाग न लेने का कारण बताती हैं। लेकिन पिछले छह साल में आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। शिक्षित महिलाओं के कार्यबल में शामिल होने की प्रवृत्ति बढ़ रही है और वेतन असमानता को लेकर कुछ चुनौतियों के बावजूद उनकी आय में भी लगातार वृद्धि हो रही है।

उन्होंने कहा, आज हम महिलाओं को सेवा क्षेत्र, प्रौद्योगिकी, वित्त और विनिर्माण क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देखते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले छह वर्षों में महिलाओं के लिए श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) दोगुना हो गया है।

श्रमिक जनसंख्या अनुपात 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए 2017-18 में 22 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 40.3 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह महिलाओं के लिए श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में भी इस दौरान वृद्धि हुई है।

सचिव ने कहा कि महिलाओं के लिए श्रमबल भागीदारी दर 23 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 42 प्रतिशत हो गई है। यह आर्थिक परिदृश्य में एक उल्लेखनीय बदलाव है। साथ ही, अधिक स्वरोजगार वाली महिलाएं कार्यबल में शामिल हो रही हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि स्नातकोत्तर स्तर और उससे ऊपर की शिक्षा प्राप्त कुल महिलाओं में से 40 प्रतिशत 2023-24 में काम कर रही थीं, जबकि छह साल पहले यह आंकड़ा लगभग 35 प्रतिशत था।

भारत को क्वांटम कंप्यूटिंग क्षमता का उपयोग करने के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण की जरूरत: नीति शोध पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। क्वांटम कंप्यूटिंग के समय में राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत को बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। साथ ही उभरती प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने के लिए द्विपक्षीय भागीदारी भी करनी होगी। नीति आयोग के बुधवार को जारी शोध पत्र में यह कहा गया है।

नीति फ्रंटियर टेक हब (नीति-एफटीएच) ने 'डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया' के साथ साझेदारी में शोध पत्र जारी किया है। इसमें क्वांटम कंप्यूटिंग के तेजी से विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसके प्रभाव आदि का उल्लेख किया गया है।

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी वी आर सुब्रह्मण्यम ने शोध पत्र जारी किया। इसमें कहा गया है कि क्वांटम कंप्यूटिंग द्वारा उत्पन्न अवसरों और खतरों से निपटने के लिए एक रणनीतिक ढांचा आवश्यक है।

इसमें कहा गया, एक सक्रिय, बहुआयामी दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करेगा कि क्वांटम युग में राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत बनी रहे। शोध पत्र में इसे तेजी से अपनाने के लिए द्विपक्षीय साझेदारी का आह्वान किया गया है।

सुब्रह्मण्यम ने शोध पत्र की प्रस्तावना में कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग क्षेत्र में नेतृत्व के लिए सिर्फ तकनीकी कौशल नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक की आवश्यकता होगी। उन्होंने सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच गहन सहयोग के साथ-साथ स्वदेशी क्षमताओं में निवेश की जरूरत बतायी।

भाजपा नीत केंद्र सरकार केवल वोट के लिए तमिल प्रेम का दिखावा करती है : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

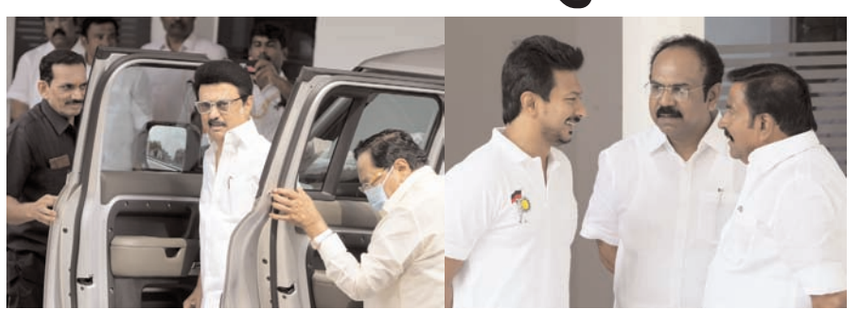

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बुधवार को केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी को तमिलों का 'दुश्मन' करार देते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार वोट की खातिर तमिल भाषा के प्रति केवल दिखावटी प्रेम रखती है ।

'हिंदी थोपे जाने का विरोध' विषय पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित पत्र में स्टालिन ने इस मुद्दे पर द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के संस्थापक नेता सी. एन. अन्नादुरई के विचारों को याद किया। उनके अनुसार, दशकों पहले अन्ना ने कहा था कि पार्टी का उद्देश्य हिंदी का विरोध करना नहीं है, बल्कि तमिल सहित भारतीय भाषाओं को समान मान्यता दिलाना है। स्टालिन ने आरोप लगाया कि भाजपा दावा करती है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तमिल को बहुत सम्मान देते है और त्रिभाषा फार्मूला राज्यों की भाषाओं के विकास के लिए है, लेकिन तमिल और संस्कृत के लिए धन के आवंटन में अंतर से यह स्पष्ट है कि वे तमिल के 'दुश्मन' हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2014 से 2023 के बीच की अवधि के दौरान केंद्र सरकार ने केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तथा राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को 2,435 करोड़ रुपये आवंटित किए और इसी अवधि में केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान को केवल 167 करोड़ रुपये ही आवंटित किए गए। उन्होंने आरोप लगाया, ''केंद्र सरकार पूरी तरह से भाषाई आधिपत्य की भावना के साथ काम कर रही है और वोट की खातिर तमिल को केवल दिखावटी समर्थन दे रही है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार तमिलनाडु को मिलने वाली निधि और तमिल भाषा के लिए निधि का आवंटन नहीं करके धोखा दे रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हिंदी और संस्कृत जैसी 'प्रभुत्व की भाषाओं' के माध्यम से तमिल और अन्य राज्यों की भाषाओं को 'नष्ट' करने की कोशिश कर रही है। इसे अस्वीकार्य बताते हुए द्रमुक अध्यक्ष ने कहा कि किसी भाषा को थोपने के परिणाम दुनिया के इतिहास को देखकर समझे जा सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''संविधान की 8वीं अनुसूची में सूचीबद्ध तमिल सहित सभी भारतीय भाषाएं भारत की राष्ट्रीय भाषाएं हैं।''

स्टालिन के अनुसार, यह दावा करना कि संस्कृत भारत की मूल भाषा है, ''हमें गुलाम बनाने का प्रयास है।'' उन्होंने कहा कि अगर संस्कृत को मूल भाषा के रूप में लिया जाता है, तो इसका मतलब है कि अन्य सभी भाषाओं की उत्पत्ति केवल इसी से हुई है। ''मतलब वे यह स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं कि भारत की सभी भाषाओं की जड़ें संस्कृत में हैं।'' उन्होंने कहा कि यह भाषाविद् रॉबर्ट कैलडवेल ही थे जिन्होंने 175 साल पहले अपने अध्ययन के माध्यम से दुनिया को बताया था कि तमिल सहित द्रविड़ भाषाओं की अपनी अनूठी विशेषताएं हैं।

लोकसभा परिसीमन : स्टालिन ने सांसदों की संयुक्त कार्रवाई समिति बनाने का प्रस्ताव रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बुधवार को लोकसभा सीट के परिसीमन पर यहां एक सर्वदलीय बैठक में दक्षिणी राज्यों के सांसदों और पार्टी प्रतिनिधियों वाली एक संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के गठन का प्रस्ताव रखा।

प्रस्ताव पेश करते हुए स्टालिन ने कहा कि संसद में सीट की संख्या में वृद्धि की स्थिति में 1971 की जनगणना को इसका आधार बनाया जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने जोर देकर कहा कि 2026 से 30 वर्षों के लिए लोकसभा सीट के परिसीमन को लेकर 1971 की जनगणना को आधार बनाया जाना चाहिए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संसद में इस बारे में आश्वस्त करना चाहिए।

प्रस्ताव के मुताबिक जेएसी ऐसी मांगों को आगे बढ़ाएगी और लोगों के बीच जागरूकता पैदा करेगी। बैठक में सर्वसम्मति से जनसंख्या के आधार पर परिसीमन की प्रक्रिया का विरोध किया गया कहा गया कि यह ''संघवाद और दक्षिणी राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के अधिकारों के लिए खतरा होगा।'' बैठक में रेखांकित किया गया कि तमिलनाडु संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के खिलाफ नहीं है। हालांकि, प्रस्तावित प्रक्रिया को पिछले 50 वर्षों के दौरान सामाजिक-आर्थिक कल्याण उपायों को अच्छी तरह से लागू करने के लिए सजा नहीं बनना चाहिए।

बैठक में कहा गया कि केंद्र ने राज्य की आवाज सुनने से इनकार कर दिया, जहां 39 लोकसभा सांसद हैं। अगर यह संख्या कम कर दी गई तो यह राज्य के साथ बहुत बड़ा अन्याय होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वदलीय बैठक इस बात को समझने के लिए है कि परिसीमन के मुद्दे पर राज्य को हाशिये पर धकेल दिया गया है, जिससे उसे अपने अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

स्टालिन ने आरोप लगाया, ''दक्षिण भारत के सिर पर परिसीमन की तलवार लटक रही है और तमिलनाडु इससे बुरी तरह प्रभावित होगा।'' मुख्य विपक्षी दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक), कांग्रेस और वामपंथी दल, अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) सहित अन्य ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), तमिल राष्ट्रवादी नाम तमिलर काची (एनटीके) और पूर्व केंद्रीय मंत्री जी. के. वासन की तमिल मनीला कांग्रेस (मूपनार) ने बहिष्कार किया।

आईआईटी मद्रास ने बैलिस्टिक मिसाइलों से महत्वपूर्ण अवसंरचना की सुरक्षा के लिए ढांचा विकसित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास के अनुसंधानकर्ताओं ने एक ऐसा ढांचा विकसित किया है जो बैलिस्टिक मिसाइलों के खतरे के खिलाफ देश में महत्वपूर्ण बुनियादी अवसंरचना की सुरक्षा को बढ़ावा दे सकता है। उन्होंने कहा कि विकसित किया गया ढांचा बैलिस्टिक प्रतिरोध को मजबूत करने के लिए अभिनव समाधान तैयार करने में मदद करेगा।

अनुसंधान के निष्कर्ष प्रतिष्ठित पत्रिका 'रिलाइएबिलिटी इंजीनियरिंग एंड सिस्टम सेफ्टी' में प्रकाशित हुए हैं। 'कम्प्यूटेशनल सिमुलेशन' का उपयोग करते हुए अनुसंधानकर्ताओं ने आरसी पर मिसाइलों के प्रभाव का अध्ययन किया, जो सैन्य बंकरों, परमाणु ऊर्जा भवनों और पुलों से लेकर रनवे तक महत्वपूर्ण संरचनाओं के निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली मुख्य सामग्री है।

आईआईटी मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर अलागप्पन पोन्नालगु ने कहा, इन संरचनाओं के रणनीतिक महत्व के कारण इन्हें प्रक्षेप्य वस्तुओं और मलबे के प्रभाव से बचाना आवश्यक है, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय क्षति हो सकती है या पूरी संरचना ढह भी सकती है। पोन्नालगु ने कहा कि आज की अप्रत्याशित दुनिया में व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली कंक्रीट संरचनाओं के लिए बैलिस्टिक डिज़ाइन महत्वपूर्ण है।

केरल : यूडीएफ का मादक पदार्थ और 'बढ़ती हिंसा' के खिलाफ राज्य सचिवालय के बाहर विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने बुधवार को आरोप लगाया कि केरल की वामपंथी सरकार राज्य में हिंसा, हत्याओं और नशीली दवाओं के व्यापक उपयोग को रोकने में विफल रही है। प्रदर्शनकारियों ने विरोध स्वरूप सचिवालय के बाहर एक दिवसीय भूख हड़ताल की और प्रशासन से कार्रवाई की मांग की। अनशन की शुरुआत करते हुए विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी. डी. सतीशन ने दावा किया कि केरल के लोग डरे हुए और चिंतित हैं, क्योंकि राज्य भर में हिंसक घटनाओं का सिलसिला जारी है, जो पहले कभी नहीं देखा गया था, और राज्य नशीले पदार्थों का केंद्र भी बनता जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में बड़ी मात्रा में विभिन्न मादक पदार्थ आ रहे हैं और एक शक्तिशाली माफिया लगातार अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहा है। सतीशन ने कहा, मादक पदार्थों का व्यापक नेटवर्क इस तथ्य से स्पष्ट है कि अब कोई भी मादक पदार्थ राज्य के किसी भी हिस्से में आसानी से और शीघ्रता से उपलब्ध है। इसे 15 मिनट से भी कम समय में प्राप्त किया जा सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मादक पदार्थों की आसान उपलब्धता के साथ-साथ हिंसा की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। सतीशन ने दलील दी कि हिंसा की प्रकृति बदल गई है और अब अधिक क्रूरता होती है। उन्होंने वेंजरामूडु में हाल ही में हुए सामूहिक हत्याकांड, जमानत पर बाहर आए हत्या के आरोपी द्वारा पलक्कड़ में दोहरे हत्याकांड को अंजाम देने तथा राज्य भर में विभिन्न संस्थानों में हुई कथित रैगिंग की घटनाओं का हवाला दिया। विपक्षी नेता ने दावा किया कि रैगिंग अधिक क्रूर रूप में महाविद्यालय परिसरों में लौट रही है। उन्होंने वामपंथी छात्र संगठन, स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) पर ऐसी कई घटनाओं में हाथ होने का आरोप लगाया। सतीशन ने आरोप लगाया कि ये अपराध इसलिए हो रहे हैं क्योंकि सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के कुछ नेता मादक पदार्थों की तस्करी सहित हिंसक और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को राजनीतिक संरक्षण प्रदान कर रहे हैं। यूडीएफ के संयोजक एम. एम. हसन सहित गठबंधन के नेता भी विरोध प्रदर्शन में उपस्थित थे। हसन ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार और उसकी पुलिस मादक पदार्थों के प्रसार को रोकने में विफल रही है, साथ ही केरल में हिंसक घटनाओं और हत्याओं में वृद्धि हुई है।

आशा कार्यकर्ताओं के कोष को लेकर केंद्र और केरल सरकार में विवाद जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केंद्र और केरल सरकार के बीच राज्य में आशा कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन राशि वितरित करने के लिए धन के प्रावधान को लेकर एक-दूसरे के दावों पर मंगलवार को भी विवाद जारी रहा। केरल के वित्त मंत्री के. एन. बालगोपाल ने केंद्र पर समय पर धनराशि उपलब्ध न कराने का आरोप लगाया, जबकि केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने उनके इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जो लोग इस तरह के आरोप सुनते हैं, वे मामले की उचित जांच होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सम्मान करना शुरू कर देते हैं। बालगोपाल ने कोल्लम में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केंद्र ने अभी तक लंबित भुगतानों में से 100 करोड़ रुपये जारी नहीं किए हैं।

उन्होंने केंद्र से मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) के मानदेय में वृद्धि करने का भी आग्रह किया। बालगोपाल ने कहा कि केरल पिछले दो वर्षों से केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा बुलाई गई बजट पूर्व बैठकों में इस मामले को उठाता रहा है। केरल के वित्त मंत्री ने कहा, जैसलमेर में मैंने अपनी मांग दोहराई थी कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं और अन्य योजनाओं के कार्यकर्ताओं के मानदेय में उचित वृद्धि की जानी चाहिए। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के कार्यालय ने कहा कि यह दावा गलत है कि केंद्र ने पिछले वित्तीय वर्ष में केंद्र की स्वास्थ्य योजनाओं के लिए केरल को मिलने वाली पूरी राशि आवंटित कर दी थी।

स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि इस तरह केंद्र ने वर्ष 2023-24 के लिए अपने हिस्से के 636.88 करोड़ रुपये उपलब्ध नहीं कराए हैं। इसमें कहा गया कि केरल की स्वास्थ्य मंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और राज्य मिशन को औपचारिक रूप से पत्र लिखकर बताया था कि केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में केंद्र द्वारा 636.88 करोड़ रुपये दिए जाना बाकी है। बयान में दावा किया गया कि केंद्र सरकार ने 28 अक्टूबर को दिए अपने जवाब में खुद इस बात की पुष्टि की है कि केरल को वर्ष 2023-24 में केंद्र के हिस्से की राशि नहीं दी गई है। इसमें कहा गया, वित्तीय वर्ष 2023-24 में आशा और नियमित गतिविधियों सहित केंद्र की स्वास्थ्य योजनाओं के लिए एक भी रुपया आवंटित नहीं किया गया। केंद्र द्वारा प्रदान किए जाने वाले कुल 826.02 करोड़ रुपये में से केवल 189.15 करोड़ रुपये ही बुनियादी ढांचे के रखरखाव और वस्तु अनुदान के लिए आवंटित किए गए हैं।

कन्नड़ अभिनेत्री के पास से 14.2 कि.ग्रा. सोना जब्त किया गया: डीआरआई

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु स्थित केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव के पास से 14.2 किलोग्राम सोने की छड़ें जब्त की गई हैं, जिनका अनुमानित मूल्य 12.56 करोड़ रुपये है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अभिनेत्री रान्या राव भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। उन्होंने बताया कि रामचंद्र राव वर्तमान में 'कर्नाटक स्टेट पुलिस हाउसिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड' के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक के पद पर हैं। मामले में, कुल 17.29 करोड़ रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की गई, जिसमें 4.73 करोड़ रुपये मूल्य की अन्य चीजें भी शामिल हैं। डीआरआई अधिकारियों के अनुसार, 14.2 किग्रा सोने की यह खेप हाल के दिनों में बेंगलुरु हवाई अड्डे पर हुई सबसे बड़ी जब्तियों में से एक है।

मलयालम फिल्म 'मार्को' को सेटेलाइट प्रसारण अधिकार नहीं मिलेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। मलयालम भाषा में अब तक बनी सबसे हिंसक फिल्म कही जाने वाली मार्को को सेटेलाइट प्रसारण अधिकार नहीं मिलेंगे क्योंकि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के क्षेत्रीय कार्यालय ने टीवी अधिकार प्राप्त करने के लिए 'ए' प्रमाणपत्र से 'यूए' श्रेणी में बदलने के लिए इसके निर्माताओं की अर्जी को खारिज कर दिया है।

सीबीएफसी के क्षेत्रीय अधिकारी टी. नदीम थुफाली ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि क्षेत्रीय परीक्षण समिति ने 19 फरवरी को श्रेणी परिवर्तन के लिए मार्को निर्माताओं के आवेदन को खारिज कर दिया था।

उन्नी मुकुंदन अभिनीत यह फिल्म पिछले साल 20 दिसंबर को रिलीज हुई थी। 'ए' प्रमाणपत्र वाली यह फिल्म इस श्रेणी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 14 फरवरी से ओटीटी मंच 'सोनीलिव' पर उपलब्ध है। सीबीएफसी 'यू' प्रमाणपत्र उन फिल्मों के लिये जारी करता है जिनके सार्वजनिक प्रदर्शन पर कोई प्रतिबंध न हो। 'ए' प्रमाणपत्र प्राप्त फिल्में केवल वयस्क दर्शकों के लिये होती हैं जबकि 'यूए' प्रमाणपत्र वाली फिल्मों को 12 वर्ष से कम आयु के बच्चे माता-पिता के मार्गदर्शन में ही देख सकते हैं। थुफाली ने कहा कि सेटेलाइट अधिकार 'यू' या 'यूए' प्रमाणपत्र

वाली फिल्मों को दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि फिल्मों को उनकी सामग्री के आधार पर वर्गीकृत और प्रमाणपत्र दिया जाता है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहना चाहिए कि उनके बच्चे अत्यधिक हिंसा वाली फिल्में न देखें।

थुफाली ने कहा कि समिति ने केंद्र को औपचारिक सिफारिश की है कि फिल्म को ओटीटी मंच पर भी प्रतिबंधित किया जाए। उन्होंने कहा, हालांकि, सीबीएफसी के पास ओटीटी स्ट्रीमिंग के संबंध में कोई नियामक शक्तियां नहीं हैं।

सेंसर बोर्ड के सदस्य जी.एम. महेश ने कहा कि कई नागरिकों द्वारा शिकायतें दर्ज कराई गई हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि सीबीएफसी के पास ओटीटी मंच पर निगरानी की भी शक्ति है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''इसलिए हमने मंत्री स्तर पर औपचारिक अनुरोध किया है।'' हनीफ अदेनी द्वारा लिखित और निर्देशित ''मार्को'' को राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र की हस्तियों ने हिंसा का महिमामंडन और युवाओं को गुमराह करने वाली फिल्म करार दिया है। इन हस्तियों ने केरल में हाल के दिनों में अपराध की बढ़ती घटनाओं के संदर्भ में यह दावा किया है। इस बीच, फिल्म के निर्माता शरीफ मोहम्मद ने फिल्म का बचाव करते हुए कहा कि लेखक-निर्देशक को स्क्रीन पर वही दिखाना चाहिए जो फिल्म के विषय के लिए जरूरी है।

उन्होंने कहा, ''सिनेमा को नहीं, बल्कि हमारे नजरिए को बदलना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि ''मार्को'' ऐसी पहली फिल्म नहीं है जिसमें स्क्रीन पर हिंसा दिखाई गई है।

विधानसभा सत्र

बेंगलूरु में बुधवार को विधान सौधा में विधानसभा सत्र देखते छात्र।

कांग्रेस वाकई भाजपा को हराने की कोशिश कर रही है? : मुख्यमंत्री विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने दावा किया कि वाम दल संघ परिवार के नेतृत्व वाले केंद्रीय प्राधिकारियों की जनविरोधी नीतियों का विरोध करने, उन्हें उजागर करने तथा जनता को लामबंद करने में सबसे आगे रहे हैं। विजयन ने साथ ही कांग्रेस के इस दावे को भी चुनौती दी कि वह भाजपा का मुकाबला करने में सक्षम एकमात्र ताकत है।

उन्होंने केरल में कांग्रेस की प्रमुख सहयोगी 'इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग' (आईयूएमएल) जैसी पार्टियों से कांग्रेस के साथ अपने संबंधों पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। विजयन ने कोल्लम में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के प्रदेश सम्मेलन से पहले मीडिया में प्रकाशित एक लेख में ये टिप्पणियां कीं।

कांग्रेस ने माकपा के वरिष्ठ पोलित ब्यूरो सदस्य के लेख पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि लोकसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थक रुख अपना लिया है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने आरोप लगाया, चुनावों के दौरान अल्पसंख्यकों की भावनाओं को भड़काने के प्रयासों की विफलता के बाद, मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी दोनों ने अब ऐसा दृष्टिकोण अपना लिया है जो बहुसंख्यक सांप्रदायिकता को बढ़ावा देता है।

विजयन ने कहा कि दिल्ली की सड़कों पर बुलडोजरों का विरोध करने से लेकर उच्चतम न्यायालय में धर्म आधारित नागरिकता कानूनों के खिलाफ कानूनी लड़ाई का नेतृत्व करने तक, वाम दल प्रमुख संघर्षों में सबसे आगे रहे हैं, जिनमें ऐतिहासिक किसान प्रदर्शन, जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की लड़ाई और भाजपा की कॉर्पोरेट-वित्त पोषित चुनावी बॉन्ड योजना के खिलाफ चुनौती शामिल है। उन्होंने लेख में लिखा, हर स्तर पर वाम दल भारत के धर्मनिरपेक्ष

और लोकतांत्रिक ताने-बाने को इन लगातार हमलों से बचाने में अग्रणी रहे हैं। माकपा के वरिष्ठ नेता विजयन ने दावा किया कि जनविरोधी नीतियों को खुलेआम उजागर करने और उनके खिलाफ जनता को लामबंद करने में वाम दलों ने इन कदमों का प्रतिरोध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

उन्होंने कहा, इस प्रतिरोध ने लोगों को केंद्र सरकार के बारे में गंभीरता से सोचने पर मजबूर कर दिया है। यह वास्तविकता है। कांग्रेस दावा करती है कि केवल वे ही संघ परिवार का विरोध कर सकते हैं। लेकिन सच्चाई क्या है? उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले लोकसभा और उसके बाद राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों में केंद्रीय नीतियों के खिलाफ किसानों का गुस्सा स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ था, लेकिन यह कांग्रेस की रणनीति ही थी जिसने अंततः भाजपा को सत्ता में लाने में मदद की। विजयन ने दावा किया कि भाजपा को चुनौती देने वाले अन्य विपक्षी दलों के प्रति कांग्रेस का दृष्टिकोण अहंकार से भरा है, जिसका ताजा उदाहरण दिल्ली विधानसभा चुनावों में देखने को मिला। उन्होंने आरोप लगाया, 2015 और 2020 दोनों में, कांग्रेस दिल्ली विधानसभा में एक भी सीट जीतने में विफल रही। फिर भी, भाजपा को हराने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, कांग्रेस ने अपना प्राथमिक लक्ष्य आम आदमी पार्टी (आप) को हराना बना लिया, जो दिल्ली में मुख्य विपक्षी ताकत है। कांग्रेस नेताओं ने खुले तौर पर कहा कि आप को जिताने में मदद करना उनका काम नहीं है। उन्होंने दलील दी कि यदि कांग्रेस ने अपनी सीमाओं को पहचाना होता और स्पष्ट राजनीतिक दृष्टि के साथ धर्मनिरपेक्ष एकता को प्राथमिकता दी होती, तो परिणाम पूरी तरह से अलग हो सकते थे। विजयन ने आरोप लगाया, इसके बजाय उन्होंने भाजपा के लिए राष्ट्रीय राजधानी पर हावी होने का अवसर तैयार किया। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब हमारे धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक मूल्य ऐसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, कांग्रेस के कृत्य अक्षम्य हैं। आप के साथ यदि कोई मतभेद थे भी तो भी कांग्रेस को उन्हें दूर करने और भाजपा की हार सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना चाहिए था।

पद यात्रा

जयपुर में बुधवार को श्याम भक्त फाल्गुन महीने की पूर्व संध्या पर आयोजित वार्षिक तीर्थयात्रा के हिस्से के रूप में खाटू श्याम मंदिर की पारंपरिक 'पद यात्रा' में भाग लेते हुए।

धरती पर वास्तविक चमत्कार करने का सामर्थ्य, अन्नदाता किसानों में : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वास्तविक चमत्कार करने का सामर्थ्य धरतीपुत्रों किसानों में है, जो शुष्क धोरों में भी खजूर एवं अन्य विशिष्ट फसलें उत्पादित कर रहे हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की ओर से आयोजित तीन दिवसीय 'किसान मेले' के समापन के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पंडाल में मौजूद हजारों की संख्या में मौजूद किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा केंद्रीय मंत्री होने के साथ में आज भी किसान हूं और नियमित खेत में जाता हूं। उन्होंने कहा किसानों के लिए खेत, खेत नहीं तीर्थ है जहां उन्हें रोज जाना ही चाहिए। उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्री होते हुए भी में स्वागत सत्कार में नहीं अपितु किसानों से आत्मिक मेलजोल में अधिक विश्वास रखता हूं। उन्होंने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर विशेष बल देते हुए राष्ट्र की प्रगति में विशेष सहयोगी बताया।

किसान मेले की थीम मरुधरा में द्वितीयक कृषि से संपन्न किसान की उपयोगिता पर बात करते हुए कहा मैं कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर को विशेष धन्यवाद और बधाई देता हूं जो विविधीकरण एवं नवाचारों के क्षेत्र में विशेष रूप से उल्लेखनीय काम कर रहा है। विश्वविद्यालय कृषि उपज का भरपूर मूल्य वर्धन करना सीखाकर किसानों को आर्थिक राह में आगे बढ़ने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित किए गया किसान मेला बेहद सराहनीय है जहां इतनी बड़ी संख्या में आकर, किसान विशेष रूप से लाभान्वित हुए हैं।

उन्होंने प्राकृतिक खेती पर विशेष बल देते हुए कहा रासायनिक उर्वरकों से भूमि खराब हो रही है, मित्र कीट समाप्त हो रहे हैं। अगर सही तरीके से प्राकृतिक खेती की जाए तो उत्पादन घटता नहीं है। उन्होंने कहा भारत के किसानों में इतना सामर्थ्य है कि दुनिया का पेट भर सकते हैं। जब कोरोना का समय था तब भी किसान लगातार खेतों में अन्न उत्पन्न कर रहे थे। देश की आत्मा किसान है और अर्थव्यवस्था किसानों पर ही निर्भर है।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्येय है, खेती अधिक से अधिक विकसित हो एवं किसान खुशहाल व संपन्न बने। इसके लिए कम पानी की आवश्यकता वाली उन्नत किस्मों पर काम किया जा रहा है। ऐसे उर्वरक बनाए बनाए जा रहे हैं, जिनके खर्च किसान आसानी से उठा पाए। प्रधानमंत्री सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सम्मान दिया जा रहा है, साथ ही फसल खराबे से परेशानी में आए किसानों के लिए फसल बीमा में भी सुधार किया जा रहा है।

मेले के समापन समारोह के मौके पर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय की ओर से किए गए नवाचारों एवं कृषक हित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों पर प्रकाश डाला।

किसान मेले में पधारने पर उन्होंने कृषि मंत्री का विश्वविद्यालय एवं किसानों की ओर से विशेष आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के कुल सचिव निशु कुमार अग्निहोत्री भी इस मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने अतिथियों एवं मेले में उल्लेखनीय सहयोग के लिए किसानों एवं उद्यमियों का विशेष धन्यवाद दिया। इस दौरान विशेष अतिथियों के रूप में महाराणा प्रताप युनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी उदयपुर के कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक, करण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे एस संधू, राष्ट्रीय मंत्री, किसान मोर्चा, शैलाराम सारण , मंतरेश सिंह, निदेशक, अटारी, डॉ जेपी मिश्रा व 'एक राष्ट्र एक चुनाव ' के सहसंयोजक महेंद्र सिंह राठौड़ व प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ प्रदीप पगारिया विशेष रूप से मौजूद रहे।

कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित तीन दिवसीय किसान मेले का मंगलवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। मेले में 9000 से अधिक किसानों ने उपस्थित दर्शायी। विभिन्न प्रदर्शनियों एवं प्रतियोगिताओं के लिए किसानों को प्रशस्ति पत्र सहित सम्मानित भी किया गया।

राजस्थान विधानसभा में सिंचाई एवं पीने के पानी पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के तृतीय एवं बजट सत्र में बुधवार को सिंचाई एवं पीने के पानी पर चर्चा हुई जिसमें विभिन्न सदस्यों ने भाग लिया और अपने क्षेत्रों में सिंचाई एवं पेयजल के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की मांग की। सदन में अनुदान की मांग संख्या 41 जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी तथा मांग संखया 42 जल संसाधन एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना पर चर्चा शुरु हुई और इसकी शुरुआत विधायक नरेन्द्र बुडानियां ने की। बुडानियां ने प्रदेश में पानी को महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए कहा कि प्रदेश के बीकानेर संभाग में किसानों को सिंचाई का पर्याप्त पानी नहीं मिलने के कारण उनकी फसलें बर्बाद हो रही हैं। किसानों के लिए फरवरी में ही पानी बंद कर दिया गया हैं। इससे किसान आंदोलनरत हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को किसानों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए लेकिन किसानों के आंखों में आंसू हैं।

उन्होंने कहा कि पानी माफिया हावी होने एवं उनके अधिकारियों से मिलीभगत के कारण गांवों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है और एक हजार रुपए प्रति टैंकर के लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांव में गरीब तक पानी नहीं पहुंच पा रहा हैं क्योंकि रसूखदारों के द्वारा अवैध कनेक्शन लगा लिए हैं और गरीब तक पानी पहुंचने ही नहीं दिया जा रहा है। बुडानियां ने सरकार से मांग की कि अभियान चलाकर अवैध कनेक्शनों पर नियंत्रण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीने का पानी गंदा आने के कारण लोग बीमार हो रहे हैं इस पर भी ध्यान देने की जरुरत हैं। उन्होंने मांग की कि पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मॉनटरिंग कमेटी विधानसभा स्तर पर बनाई जानी चाहिए। इसी तरह जिले में कमेटी बनाई जानी चाहिए और उसमें विधायक को शामिल किया जाना चाहिए। बुडानियां ने बताया कि उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में विधायक कोटे से पांच बड़ी पानी की टंकिया बनवाई लेकिन वे पानी का इंतजार कर रही है।

इसी तरह विधायक श्रवण कुमार ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि प्रदेश में पानी को लेकर किसी को राजनीति नहीं करनी चाहिए। सभी जनप्रतिनिधियों को लोगों को पानी उपलब्ध कराने के बारे में सोचना चाहिए और पानी की समस्या का निदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि झुंझुनूं, चुरु एवं सीकर जिले जहां देश की सेवा करने में सैनिकों के रुप में सबसे आगे खड़े हैं लेकिन पानी के मामले में ये जिले पीछे वाली लाइन में खड़े हैं।

उन्होंने पानी की 12 हजार करोड़ की योजना जो ठंडे बस्ते में पड़ी है उसका वर्क ऑर्डर कराये जाने की राज्य सरकार से मांग की। उन्होंने कहा कि पानी की समस्या से निजात पाने के लिए जल बोर्ड या मिनी सचिवालय बनाकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जल प्रबंधन के लिए कोई ठोस नीति भी बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, उसका संचय, पारंपरिक जल स्रोत एवं वनों का संरक्षण किया जाना चाहिए और पानी पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक मॉनटिरिंग और जिम्मेदारी तय नहीं होगी तब तक पानी की दयनीय स्थिति नहीं सुधर सकती हैं।

चर्चा में भाग लेते हुए विधायक गुरवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के समय पानी के लिए प्रयास नहीं किए गये जबकि राज्य में भजनलाल सरकार के आते ही हरियाणा से पानी लाने पर काम किया गया। उन्होंने वर्षा जल संचयन की जरुरत बताते हुए कहा कि इस पर और काम करने की जरुरत हैं। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को जनआंदोलन के रुप में लेना चाहिए।

विधायक अमित चाचाण ने अपने नोहर विधानसभा क्षेत्र में किसानों को अपने हिस्से का पूरा पानी नहीं मिलने का मामला उठाते हुए कहा कि हरियाणा से राजस्थान के हिस्से का पूरा पानी दिलाया जाना चाहिए ताकि किसानों को पूरा पानी मिल सके। उन्होंने उनके क्षेत्र में किसानों की डिग्गियों के निर्माण के काम को भी पूरा कराये जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि आज भी कई घरों तक पानी नहीं पहुंचा हैं ऐसे में प्रत्येक घर तक पानी पहुंचाने का काम किया जाना चाहिए। इनके अलावा शोभा चौहान, रामकेश, ललित मीणा एवं कुलदीप एवं अन्य विधायकों ने भी चर्चा में भाग लिया।

ग्रामीण क्षेत्र का विकास राजस्थान की समृद्धि की आधारशिला : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रामीण क्षेत्र के विकास को राजस्थान की समृद्धि की आधारशिला बताते हुए बुधवार को कहा कि सरकार ग्रामीण विकास के लिए कृत संकल्पित है। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर एक प्रतिनिधिमंडल की आभार सभा को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि ग्रामीण विकास प्रदेश की प्रगति और समृद्धि की आधारशिला है। इस बजट में ग्रामीण क्षेत्र के बुनियादी ढांचे, कृषि, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अनेक प्रावधान किए हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में 'डबल इंजन' की सरकार आठ करोड़ प्रदेशवासियों के विश्वास को कायम रखते हुए काम कर रही है ताकि उत्कृष्ट और विकसित राजस्थान के सपने को पूरा किया जा सके। आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता से किए गए वादों को हमने संकल्प पत्र में शामिल किया था तथा एक साल में संकल्प पत्र के 55 प्रतिशत वादे पूरे किए जा चुके हैं। किसानों, महिलाओं, गरीबों और युवाओं के हितों के लिए हमारी सरकार लगातार निर्णय ले रही है।

शर्मा ने कहा कि इस वर्ष का बजट किसानों को आगे रखते हुए बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि किसान सम्मान निधि को बढ़ाकर नौ हजार रुपये करने, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत गोपालकों को ब्याजमुक्त ऋण की व्यवस्था करने, 50 हजार नए कृषि बिजली कनेक्शन और पांच लाख घरेलू कनेक्शन जैसे बजटीय प्रावधानों से किसान खुश हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए भी सवा लाख पदों पर सरकारी भर्तियां और डेढ़ लाख युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय हुए प्रश्नपत्र लीक प्रकरणों से राज्य का युवा परेशान था। हमने आते ही इन प्रकरणों में लिप्त अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की। हमारे सवा साल के कार्यकाल में एक भी प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ है। उन्होंने दावा किया कि अपराध मुक्त राजस्थान की दिशा में उठाए गए कदमों से राज्य में गैंगवार और अपराध कम हुआ है।

भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़ी शिक्षा का हो प्रभावी प्रसार : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि पढ़ाई के लिए कोई शोर्टकट नहीं होता। केवल पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकें ही नहीं, विद्यार्थी जीवन व्यवहार और नित नए हो रहे परिवर्तनों से जुड़ी सामग्री का भी अध्ययन करें। इसी से उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी और वे जीवन में सफल हो सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाए जाने के लिए भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़ी शिक्षा पर विषेष ध्यान देने का भी आह्वान किया।

बागड़े ने बुधवार को हरिशचन्द्र माथुर लोक प्रशासन संस्थान 'रीपा' में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र, जयपुर के दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत ज्ञान–विज्ञान में आरंभ से ही समृद्ध रहा है। यहां नालंदा जैसा महान विश्वविद्यालय था। यहां सुदूर देशों से विद्यार्थी पढ़ने आते थे। उन्होंने बख्तियार खिलजी द्वारा नालंदा के पुस्तकालय को जलाने की चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान को नष्ट करने के निरंतर प्रयास हुए परन्तु वे सफल नहीं हुए। उन्होंने राजस्थान को शूरवीरों की भूमि बताते हुए कहा कि बप्पा रावल ने सौ सालों तक विदेशी आक्रमणकारियों को यहां आने नहीं दिया। राज्यपाल ने कहा कि विश्वभर में ज्ञान परम्परा में भारत श्रेष्ठ रहा है। दशमलव पद्धति पूरे विश्व को भारत ने दी। ऋषि भारद्वाज ने वायुयान पर अपने ग्रंथ में पहले ही अवगत करा दिया था । न्यूटन ने बहुत बाद में गुरूत्वाकर्षण का सिद्धांत दुनिया को बताया। भारत में तो वैदिक ग्रंथों में बहुत पहले ही इसके बारे में बता दिया गया था। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने आने के बाद भारतीय ज्ञान को दबाने का प्रयास किया। इसलिए यह जरूरी है कि देश के विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाते हुए उन्हें भारतीय ज्ञान–विज्ञान से जोड़ा जाए।बागड़े ने नकल की प्रवृति को रोके जाने, रोजगार प्राप्त करने की मानसिकता की बजाय रोजगार देने वाले बनाने, मुक्त शिक्षा के अंतर्गत शिक्षा से वंचित लोगो को पढ़ने के लिए प्रेरित करने आदि पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि 2047 देश की आजादी का शताब्दी वर्ष होगा। इसमें भारत सभी क्षेत्रों अग्रणी बनें, इसके लिए सभी मिलकर अपना योगदान दें।

राज्यपाल ने आरंभ में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को डिग्री और पदक प्रदान किए। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा रोजगार के साथ–साथ शिक्षा प्राप्त करने वाले, श्रमिकों आदि को भी डिग्री प्रदान कर सफल होने का रिकॉर्ड संधारित किए जाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने इससे पहले इग्नू के रिजनल सेंटर की गतिविधियों की प्रदर्शनी का लोकार्पण किया। इससे पहले क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ममता भाटिया ने इग्नू के पाठ्यक्रमों और गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। राममूर्ति मीना ने सभी का आभार व्यक्त किया।

तेज उत्तरी हवाओं से तापमान में गिरावट

जयपुर। तेज उत्तरी हवाओं से राजस्थान के अनेक इलाकों में रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई और बीते चौबीस घंटे में सीकर के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार, इस दौरान न्यूनतम तापमान नागौर और पाली में 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सीकर में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस, अंता (बारां) में 6.6 डिग्री, दौसा में 6.7 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 7.8 डिग्री, सिरोही में 8 डिग्री, चूरू में 8.8 डिग्री, बीकानेर में 9.6 डिग्री, अजमेर में 11.9 डिग्री, जयपुर में 13.4 डिग्री और कोटा में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पटवारी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की एक टीम ने बुधवार को भरतपुर में एक पटवारी को 15,000 रुपए की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भू–अभिलेख अनुभाग कलेक्ट्रेट भरतपुर के पटवारी दिनेश सैनी को रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि शिकायत मिली थी कि आरोपी, परिवादी के पिताजी एवं माताजी के नाम से भरतपुर की अदालत में चल रहे वाद दावा दुरुस्ती में मदद करने की एवज में 15000 रूपये की रिश्वत मांग रहा है।

दीया कुमारी को आईफा अवार्ड्स में शामिल होने के लिए दिया निमंत्रण

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी को आईफा अवार्ड्स समारोह के आयोजकों ने बुधवार को सचिवालय में मुलाकात कर, समारोह में शामिल के लिए निमंत्रण दिया। आईफा अवार्ड्स आयोजन समिति के सदस्य सब्बास जोसेफ, कविता वकील ने 8 एवं 9 मार्च को जयपुर में आयोजित होने वाले आईफा समारोह में उपमुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति के लिए अनुरोध किया।

सहकारिता का नेटवर्क और अधिक मजबूत होगा : मंत्री

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा है कि राजस्थान में बहुउद्देशीय ग्राम सेवा सहकारी समितियों की स्थापना के मापदंडों को लचीला बनाया गया है। उन्होंने कहा कि मापदंडों में लचीलापन लाने से राज्य में नई समितियों के गठन में आसानी होगी। दक ने एक बयान में बताया कि राज्य में नई बहुउद्देशीय ग्राम सेवा सहकारी समिति की स्थापना के लिए अब न्यूनतम सदस्य संख्या 300 के स्थान पर 150 एवं न्यूनतम हिस्सा राशि तीन लाख रुपये के स्थान पर 1.50 लाख रुपये होगी।

राज्य सरकार रावी-व्यास नदियों से राज्य के हिस्से का पूरा पानी प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत : रावत

जयपुर/दक्षिण भारत । जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा रावी–व्यास नदियों के अधिशेष जल में से राज्य के हिस्से का शेष 0.60 एम.ए.एफ. पानी प्राप्त करने हेतु लगातार प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय में इस संबंध में दायर मुकदमे की प्रभावी पैरवी के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता विक्रमजीत बनर्जी, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऑफ इण्डिया को नियुक्त किया गया है।

जल संसाधन मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि रावी–व्यास नदियों के अधिशेष पानी के बंटवारे के बारे में पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान के मध्य 31 दिसम्बर 1981 को समझौता हुआ था। समझौते के तहत राजस्थान को 8.60 एम.ए.एफ. पानी निर्धारित किया गया। वर्तमान में इसमें से 8.00 एम.ए.एफ. पानी राज्य को मिल रहा है । रावत ने आश्वस्त किया कि राज्य के हिस्से का पूरा जल लेने के संबंध में राज्य का पक्ष रखने के लिए भाखडा ब्यास प्रबंधन मण्डल में एक प्रतिनिधि नियुक्त करने के प्रयास किये जाएंगे। साथ ही एसीएस स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त करने पर भी विचार किया जाएगा।

राजस्थान राज्य मानवधिकार आयोग द्वारा आयोजित 15 दिवसीय इंटर्नशिप का हुआ समापन

जयपुर/दक्षिण भारत। विधि विद्यार्थियों के लिए राजस्थान राज्य मानव मानवाधिकार आयोग द्वारा 12 फरवरी से प्रारम्भ 15 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम का बुधवार को शासन सचिवालय में समापन हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता आयोग के सदस्य न्यायाधिपति रामचंद्र सिंह झाला ने की। इस अवसर पर आयोग के सदस्य अशोक कुमार गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस सुष्मित विश्वास, रजिस्ट्रार संजय कुमार उपस्थित रहे। न्यायाधिपति झाला ने इस अवसर पर मौजूद विधि विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विधि के व्याेर्थी जब वकील बनें तो गरीबों की सेवा को प्राथमिकता दें व जीवन में बड़े लक्ष्य और उद्देश्य को लेकर चलना चाहिए। जस्टिस झाला ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करवाने के लिए एडीजी और उनकी टीम को बधाई दी तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सुष्मित विश्वास ने विधि व्याेर्थियों को संबोधित करते हुए जेल में विचाराधीन एवं सजा काट रहे कैदियों के साथ जातिगत आधार पर हो रहे असमान व्यवहार एवं कार्य विभाजन की अमानवीयता को रोकने के संबंध में माननीय उच्चतम न्यायालय के द्वारा दिए गए निर्णय की महत्वपूर्ण जानकारी दी।

जिसकी जैसी दृष्टि, उसको वैसी ही सृष्टि महाकुंभ में देखने को मिली: मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को दावा किया कि 45 दिनों का महाकुंभ आयोजन अपराधमुक्त रहा और उन्होंने यह भी पूछा कि यह सामाजिक अनुशासन नहीं है तो और क्या है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिसकी जैसी दृष्टि थी उसको वैसी ही सृष्टि प्रयागराज महाकुंभ में देखने को मिली।

मुख्यमंत्री ने विधान परिषद में बजट पर चर्चा के दौरान कहा, महाकुंभ में 66 करोड़ 30 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आये और इन 45 दिनों (प्रयागराज में महाकुंभ की आयोजन अवधि) मे प्रयागराज हो, उत्तर प्रदेश हो, कहीं कोई लूट की घटना नहीं हुई, कोई अपहरण की घटना नहीं हुई। कोई दुष्कर्म व बलात्कार की घटना नहीं हुई, कोई भी छेड़छाड़ नहीं हुई, कोई भी ऐसी घटना नहीं हुई जिसके बारे में कोई अपने आप को शर्मिंदा महसूस करे। यह सामाजिक अनुशासन नहीं है तो और क्या है?'' उन्होंने कहा, एकात्मता का इससे अच्छा उदाहरण और क्या हो सकता है। जाति की सारी सीमाएं टूट गई। कोई जाति का भेद नहीं, कोई पंथ का भेद नहीं, संप्रदाय का भेद नहीं, कोई क्षेत्र का भेद नहीं, देश की सीमाओं को भी लांघने वाले वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को जागृत करने वाले महाकुंभ ने एक नया संदेश दुनिया को दिया है।

आदित्यनाथ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, जब महाकुंभ का आयोजन हो रहा था उस समय हम लोग इस बात का अनुभव कर रहे थे कि बहुत सारे ऐसे माननीय सदस्य थे, या ऐसी पार्टियां थीं, ऐसे संगठन थे जो तमाम तरह के अनर्गल प्रलाप कर रहे थे लेकिन उस सबसे इतर रहकर के हम लोग उन सभी घटनाओं के मौन साक्षी बनकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, भगवान श्री कृष्ण ने भी श्रीमद् भागवत गीता में इस बात का उल्लेख किया है कि मुझे जो जिस रूप में स्मरण करता है मैं उसी रूप में उसको दिखाई देता हूं। मुझे लगता है कि जिसकी जैसी दृष्टि थी उसको वैसी ही सृष्टि प्रयागराज में देखने को मिली।

आदित्यनाथ ने कहा कि कुंभ के बारे में चर्चा वही कर सकता है जिसने महाकुंभ का दर्शन किया हो।

मेघालय विधानसभा में 1,970 करोड़ रुपए के घाटे का बजट पेश

शिलांग/भाषा। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने बुधवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1,970 करोड़ रुपए का घाटे का बजट पेश किया। बजट में 10वीं पास विद्यार्थियों को 6,000 रुपए की छात्रवृत्ति देने की घोषणा की गई।

संगमा ने राज्य विधानसभा में अगले वित्त वर्ष के लिए 1,970 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। यह बजट मेघालय के अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 66,645 करोड़ रुपए का लगभग 2.96 प्रतिशत है। यह वर्ष 2028 तक 10 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के अनुरूप है।

बजट दस्तावेज के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल प्राप्तियां 30,415 करोड़ रुपए अनुमानित हैं जिनमें से राजस्व प्राप्तियां 25,591 करोड़ रुपए और पूंजीगत प्राप्तियां 14,324 करोड़ रुपए हैं।

संगमा ने अगले वित्त वर्ष में कुल व्यय 30,003 करोड़ रुपए होने का अनुमान लगाते हुए कहा कि राजस्व व्यय 20,556 करोड़ रुपए और पूंजीगत व्यय 9,447 करोड़ रुपए रह सकता है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए ब्याज भुगतान 1,347 करोड़ रुपए और पेंशन भुगतान 1,824 करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री ने 10वीं पास कर आगे की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए 6,000 रुपए की छात्रवृत्ति देने की भी बजट घोषणा की। यह राशि अगले वित्त वर्ष से 80,000 से अधिक छात्रों को दी जाएगी।

धनखड़ ने छात्रों से कहा, किसी को भी अपनी कार्य-पद्धति को तय करने की अनुमति न दें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को छात्रों को सलाह दी कि वे किसी को भी अपनी कार्य-पद्धति तय करने की अनुमति न दें और असफलता से नहीं डरें। धनखड़ ने यह टिप्पणी सिरसा में जन नायक चौधरी देवी लाल विद्यापीठ (जेसीडी) के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए की। इस मौके पर हरियाणा के मंत्री रणबीर गंगवा, इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के नेता एवं देवी लाल स्मारक न्यास के अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला, इनेलो विधायक तथा जेसीडी विद्यापीठ के अध्यक्ष अर्जुन चौटाला भी उपस्थित थे।

धनखड़ ने दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन की शुरुआत में उपस्थित लोगों से कहा कि वे हमेशा राष्ट्र को सर्वोपरि रखें। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय हित से बड़ा कोई हित नहीं हो सकता। व्यक्तिगत और राजनीतिक हित महत्वहीन हैं। धनखड़ ने विद्यार्थियों से अपने रुचि और योग्यता के अनुसार जीवन में कॅरियर चुनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, अपने जीवन को नदी की तरह बहने दें, नहर की तरह नहीं... एक समय था जब बच्चा पैदा होता था और माता-पिता यह निर्णय लेते थे कि उनके बच्चे को क्या कॅरियर चुनना है।

उपराष्ट्रपति ने उनसे कहा कि भारत आज युवाओं के लिए अनेक अवसर प्रदान करता है और उन्हें इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर आप चारों ओर देखें तो आपके लिए अवसरों की भरमार है, यह नीली अर्थव्यवस्था में है, यह अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में है। आप ऐसे समय में भारत में हैं, जब पिछले दशक में कोई भी देश भारत जितना तेजी से नहीं बढ़ा है और इतना बड़ा नहीं हुआ है। धनखड़ ने कहा कि आज योग्यता का बोलबाला है और जब ऐसी स्थिति है तो छात्रों को बड़ा सोचना चाहिए। उन्होंने कहा, कभी भी दबाव में न रहें, कभी भी तनाव में न रहें।

वास्तविक लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता जरूरी: स्मृति

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने वास्तविक लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी में समानता सुनिश्चित करने की तत्काल जरूरत पर बुधवार को बल दिया। महिला सशक्तिकरण पर 'इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स कॉन्फ्रेंस' को संबोधित करते हुए ईरानी ने एआई (कृत्रिम मेधा) प्रणालियों में अंतर्निहित प्रणालीगत पूर्वाग्रहों पर प्रकाश डाला और इन असमानताओं को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने हितधारकों से आग्रह किया कि वे महिला सशक्तिकरण की आधारशिला के रूप में डिजिटल समानता को प्राथमिकता दें। ईरानी ने कहा, एआई के युग में, यह पुरुष का महिला से मुकाबला या महिला का पुरुष से मुकाबला नहीं है। यह मानवता का मुकाबला है कि एआई हमारे साथ क्या करेगा। उन्होंने एक शोध का हवाला दिया, जिससे पता चलता रहै कि दुनिया भर में 133 एआई प्रणालियों में से 44 फीसदी एआई प्रणालियां लिंग-समावेशी नहीं हैं। ईरानी ने एआई-संचालित वित्तीय प्रणालियों में लैंगिक पूर्वाग्रह का एक उल्लेखनीय उदाहरण साझा किया।

असम की करीब 83 हजार हेक्टेयर भूमि पर चार राज्यों का अतिक्रमण: मंत्री

गुवाहाटी/भाषा। असम के मंत्री अतुल बोरा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि असम की करीब 83,000 हेक्टेयर भूमि पर चार पड़ोसी राज्यों ने अतिक्रमण किया हुआ है। कांग्रेस विधायक रकीबुद्दीन अहमद के एक प्रश्न के उत्तर में बोरा ने कहा कि 18 जिलों की 82,751.86 हेक्टेयर भूमि पर अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय और मिजोरम द्वारा अतिक्रमण किया गया है। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक 59,490.21 हेक्टेयर भूमि नगालैंड के कब्जे में है। उन्होंने कहा कि मेघालय ने 3,441.86 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण किया है, जो चारों राज्यों में सबसे कम है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश ने 16,144.01 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण किया है, जबकि 3,675.78 हेक्टेयर भूमि मिजोरम के कब्जे में है। मंत्री ने कहा कि असम के प्रभावित जिलों में सोनितपुर, विश्वनाथ, लखीमपुर, धेमाजी, तिनसुकिया, डिब्रूगढ़, चराइदेव और जोरहाट शामिल हैं।

नीतीश भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे, बाद में पाला बदल सकते हैं : प्रशांत किशोर

बेतिया/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बुधवार को दावा किया कि जनता दल (यू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार बिहार विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ गठबंधन में लड़ेंगे और बाद में पाला बदल सकते हैं ताकि मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें एक और कार्यकाल मिल सके। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि नीतीश अब मुख्यमंत्री नहीं बनने वाले हैं क्योंकि जनता जद(यू) को इतनी कम सीटें देगी कि नीतीश के 'पलटी मारने' का कोई फायदा नहीं होगा। बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विस चुनाव संभावित है। चुनावी प्रबंधन की दुनिया से सक्रिय राजनीति में कदम रखने वाले किशोर ने पश्चिम चंपारण जिले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फिर से पाला बदलने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कहा, नीतीश जी में इतना दम नहीं है कि अभी पलटी मार लें, वह चुनाव जीतने के बाद पलटी मारते हैं। उन्होंने दावा किया, नीतीश कुमार ने 2015 के अलावा अपने पूरे जीवन में भाजपा के बगैर चुनाव नहीं लड़ा हैं, वह लड़ते ही हैं भाजपा के ताकत, पैसे, और संगठन के भरोसे हैं।

नीतीश ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1200 करोड़ रुपए की सहायता राशि का हस्तांतरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत करीब तीन लाख परिवारों को प्रथम किश्त के रूप में 1200 करोड़ रुपए की सहायता राशि का एकमुश्त हस्तांतरण किया।

यहां मुख्यमंत्री आवास में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नीतीश कुमार ने कहा, जिन परिवारों को इसका लाभ मिला है उन्हें बधाई देता हूं। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं को ठीक ढंग से क्रियान्वित किया जाए ताकि लाभुकों को तुरंत लाभ मिले।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण विकास विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य को कुल 7,90,648 लक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

इस योजना के लाभुकों को कुल 1.20 लाख रुपए की सहायता राशि तीन किश्तों में आवास निर्माण की प्रगति के साथ दी जाती है। योजना में 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार द्वारा एवं 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जाती है।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, आज के इस कार्यक्रम में करीब तीन लाख लाभार्थियों को 40 हजार रुपए की दर से प्रथम किश्त की राशि का एकमुश्त भुगतान किया गया। इस पर कुल 1200 करोड़ रुपए का व्यय हुआ।

भाजपा अपरिपक्व राजनीति में संलिप्त : पटनायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने बुधवार को ओडिशा की भाजपा सरकार पर छोटी सोच के साथ अपरिपक्व राजनीति करने का आरोप लगाया।

नवीन पटनायक ने पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक की 109वीं जयंती पर पार्टी सदस्यों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने पंचायती राज दिवस से उनका नाम हटाने के राज्य सरकार के हालिया फैसले का भी जिक्र किया। बीजद अध्यक्ष ने कहा, तीन दशकों से ओडिशा में बीजू बाबू के जन्मदिन के अवसर पर पांच मार्च को पंचायती राज दिवस मनाया जाता रहा है। लेकिन, भाजपा सरकार ने अब इस प्रथा को बंद कर दिया है और तारीख को 24 अप्रैल कर दिया है।

नवीन पटनायक ने इस कदम पर आपत्ति जताते हुए कहा, मैं एक बात कहना चाहता हूं। आप (भाजपा सरकार) पुरस्कारों के नाम बदल सकते हैं, उनकी (बीजू बाबू की) मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर सकते हैं और तिथियां बदल सकते हैं; लेकिन आप ओडिशा के लोगों के मन में बीजू बाबू के लिए जो प्यार और स्नेह है, उसे नहीं छीन सकते। वह उनके दिलों में रहते हैं। आप इसे कैसे बदलेंगे?

नवीन पटनायक ने सत्ता में आने के तुरंत बाद बीजू क्रीड़ा पुरस्कार का नाम बदलने के प्रयास के लिए भी भाजपा सरकार की आलोचना की। उन्होंने दावा किया, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ओडिशा में सत्ता में आने के तुरंत बाद भाजपा सरकार ने बीजू क्रीड़ा पुरस्कार का नाम बदलने की कोशिश की। हालांकि, लोगों के कड़े विरोध के कारण उन्हें अपने फैसले से पीछे हटना पड़ा।

बीजू पटनायक के छोटे बेटे और बीजद अध्यक्ष ने दिवंगत नेता की मूर्तियों के साथ तोड़फोड़ की हाल की घटनाओं की निंदा की।

विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में भारत स्वर्ण पदकों की तालिका बेहतर करेगा : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को भरोसा जताया कि भारत सात से 17 मार्च तक इटली के तूरिन में होने वाले विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में अपने स्वर्ण पदकों की संख्या में सुधार करेगा।

भारत विशेष ओलंपिक शीतकालीन खेलों के लिए 49 सदस्यीय टीम भेज रहा है जिसका आयोजिन पिछली बार 2017 में ऑस्ट्रिया में किया गया था जिसमें देश ने 37 स्वर्ण सहित 73 पदक जीते थे।

एथलीट छह स्पर्धाओं अल्पाइन स्कीइंग, क्रॉसकंट्री स्कीइंग, फ्लोरबॉल, शॉर्ट स्पीड स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और स्नो शूइंग में भाग लेंगे।

भारतीय दल में 30 खिलाड़ी, तीन अधिकारी और 16 सहयोगी स्टाफ हैं।

मांडविया ने ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में कहा, मुझे इन खिलाड़ियों में काफी उत्साह दिख रहा है। पिछले चरण में भारत ने 37 स्वर्ण पदक जीते थे और इस बार मुझे भरोसा है कि हम बेहतर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, मैं इन खिलाड़ियों के माता-पिता और विशेष ओलंपिक भारत को सलाम करता हूं जिन्होंने इन्हें इस स्तर तक पहुंचने में मदद की। ये खिलाड़ी हमारे लिए बहुत विशेष हैं क्योंकि ये जो कर रहे हैं, वो हर कोई नहीं कर सकता।

मांडविया ने कहा, आप पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हो।

खेलों के प्रति जुनून भारत और ऑस्ट्रेलिया को जोड़ने में अहम : रक्षा खडसे

गांधीनगर/भाषा। केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने बुधवार को कहा कि खेलों के प्रति जुनून भारत और ऑस्ट्रेलिया को जोड़ने वाला धागा है और इस जुड़ाव को क्रिकेट से आगे बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह बात गांधीनगर की 'गिफ्ट सिटी' में ऑस्ट्रेलिया-भारत खेल उत्कृष्टता फोरम के उद्घाटन करने के बाद कही, जहां यह दो दिवसीय कार्यक्रम शुरू हुआ जो अपनी तरह की पहली पहल है जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच खेल सहयोग को मजबूत करना है।

खडसे ने कहा, खेलों के प्रति जुनून भारत और ऑस्ट्रेलिया को जोड़ने वाला धागा है। इस ऐतिहासिक फोरम के जरिए हम इस साझेदारी को क्रिकेट और हॉकी से आगे बढ़ाकर शीर्ष एथलीट विकास, खेल बुनियादी ढांचे और खेल उद्योगों में निवेश तक ले जा रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की भारत की महत्वाकांक्षा खेलों के प्रति उसकी बढ़ती ताकत और प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बेखौफ क्रिकेट खेलने लेकिन शांत बने रहने से टी20 में सफलता मिली : रहाणे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने इंडियन प्रीमियर लीग और घरेलू टी20 में मिली सफलता का श्रेय शांत रहते हुए बेखौफ क्रिकेट खेलने को दिया। रहाणे ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पिछले सत्र में 164 . 56 की स्ट्राइक रेट से 469 रन बनाये जिसमें पांच अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए भी कामयाबी हासिल की थी।

स्किलहब आनलाइन गेम्स फेडरेशन के ब्रांड दूत रहाणे ने यहां मंगलवार को कहा, मैं हमेशा पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाने की सोचता था। पिछले दो तीन साल से हालांकि मैने आजादी के साथ बेखौफ क्रिकेट खेलने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मैं यही करने की कोशिश कर रहा हूं लेकिन अपनी प्रक्रिया भी नहीं छोड़ी है। अपने स्वाभाविक खेल को बरकरार रखा है।सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मेरा प्रदर्शन अच्छा था जिससे काफी आत्मविश्वास मिला। रहाणे ने कहा, यह अपने खेल पर भरोसा करके वर्तमान में रहने और शांतचित्त रहने के बारे में है। मैने हमेशा अपने खेल में सुधार और उसका पूरा मजा लेने पर जोर दिया।

ओडिशा के जंगल में हाथी का इलाज करने गए पशु चिकित्सक पर जंगली हाथियों ने किया हमला

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के बालासोर जिले के वन क्षेत्र में हाथी का इलाज करने गए पशु चिकित्सक पर हाथियों ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। वन अधिकारी ने यह जानकारी दी। घटना के बाद चिकित्सक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वन अधिकारी ने बताया कि घटना कुलडीहा रिजर्व फॉरेस्ट में हुई। वन अधिकारियों की एक टीम और चिकित्सक हाथी का इलाज करने जंगल में गए थे। हाथी रिसिया झील के पास तटबंध से गिरकर कीचड़ में फंस गया था। अचानक जंगली हाथियों का झुंड मौके पर पहुंच गया और खतरे की आशंका में बचाव दल के पीछे भागने लगा। नीलगिरि पशु चिकित्सालय के पशु चिकित्सक सुभाशीष महापात्रा घटनास्थल से भागते समय गिर गए और एक हाथी ने उन पर हमला कर दिया।

नए जोश के साथ नई ऊंचाइयों को छूने को तत्पर हैं किंग कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। मैदान पर हर प्रतिद्वंद्वी के साथ साथ पिछले कुछ अर्से से चली आ रही अपनी निजी कमजोरियों को भी चैम्पियंस ट्रॉफी में मीलों पीछे छोड़ देने वाले विराट कोहली क्रिकेट की रिकॉर्ड पुस्तिका में अपना नाम कई बार दर्ज कराने के बाद भी नई ऊंचाइयों को छूने को आतुर लग रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में अगर वह शतक से 16 रन से चूके नहीं होते तो यह उनका 52वां वनडे शतक होता। वैसे उन्हें मायूसी नहीं होगी क्योंकि उन्होंने इस पारी से कई उपलब्धियां हासिल की है। पहली तो यह कि लंबे समय से स्पिनरों ने उन्हें परेशान कर रखा था जिससे वह उबर गए हैं। दूसरी उनका अर्धशतक ऐसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ था जिसने अतीत में कई बार भारत का दिल तोड़ा है।

यह चमत्कार हालांकि रातोंरात नहीं हुआ है बल्कि इसके पीछे उनकी कड़ी मेहनत है। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले नेट पर दो घंटे ज्यादा बिताये चूंकि बांग्लादेश के खिलाफ स्पिनर रिशाद हुसैन ने उन्हें आउट किया था। उन्होंने पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को बखूबी खेला लेकिन ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा अलग स्तर के गेंदबाज हैं। दुबई की धीमी पिच पर दूसरी पारी में गेंदबाजी से जम्पा को और मदद मिली। पहली बार दोनों का सामना 2017 में हुआ था जब जम्पा ने सफेद गेंद के प्रारूप में कोहली को पांच बार

आउट किया। इसके बाद से कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के इस दिग्गज लेग स्पिनर को जवाबी हमले से रोका है। चैम्पियंस ट्रॉफी के मैच से पहले उनके खिलाफ 107 की स्ट्राइक रेट से वह 245 गेंद में 264 रन बना चुके थे। सेमीफाइनल में उन्होंने जम्पा की 24 गेंद में 23 रन बनाये। जीत के लिए 265 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए यह शानदार तो नहीं लेकिन प्रभावी प्रदर्शन रहा। उन्हें जम्पा ने ही आउट किया लेकिन तब तक वह अपना काम कर चुके थे। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कोहली की तारीफ करते हुए कहा, वह वनडे क्रिकेट में जबर्दस्त खिलाड़ी है। उसे पता है कि पहले बल्लेबाजी करने या लक्ष्य का पीछा करते हुए कैसे रणनीति बनानी है। वह हालात के अनुकूल तेजी से ढल जाता है और यही वजह है कि आला दर्जे के खिलाड़ी और अनुभव क्यों महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, यही वजह है कि वनडे क्रिकेट में उसका इतना जबर्दस्त रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने कहा, वह लक्ष्य का पीछा करने वाला सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है। हमारे खिलाफ वह कई बार ऐसा कर चुका है। वह अपनी ताकत पर खेलकर मैच को आखिर तक ले जाता है। छत्तीस वर्ष के कोहली ने लक्ष्य का पीछा करते हुए जीते हुए 106 मैचों में 5999 रन बनाये हैं। लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने 166 मैचों में 8063 रन बनाये जो सचिन तेंदुलकर के बाद सबसे ज्यादा हैं। कोहली ने कल कहा था, मेरी टाइमिंग और पिच पर रवैया यही था कि हड़बड़ी नहीं करनी है। जितने एक एक रन मैने लिए हैं, वह मुझे सबसे ज्यादा खुशी दे रहे हैं। उन्होंने कहा, यह खेल दबाव के बारे में है। आपको जज्बात पर काबू पाना होता है। जब रनरेट छह रन प्रति ओवर था, मैं तब भी विचलित नहीं हुआ। लेकिन उनके इस फॉर्म से विरोधी टीमें जरूर विचलित हो गई होंगी क्योंकि 'किंग' ने लय हासिल कर ली है और एक बार फिर बादशाहत साबित करने को बेताब हैं।

कोहली वनडे रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचे, अक्षर और शमी को भी फायदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 84 रन की विजयी पारी के बाद बुधवार को बल्लेबाजों की आईसीसी वनडे रैंकिंग में एक पायदान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गए। कोहली को जहां फायदा हुआ, वहीं कप्तान रोहित शर्मा दो पायदान नीचे खिसककर पांचवें स्थान पर पहुंच गए जबकि दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन भी एक पायदान के लाभ से तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

भारत के उप कप्तान और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं जबकि पाकिस्तान के बाबर आजम दूसरे स्थान पर हैं। अन्य भारतीयों में स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर अक्षर पटेल और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी क्रमश: ऑलराउंडर और गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार करते हुए आगे बढ़े हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा ऑलराउंडर रैंकिंग में पटेल करियर के सर्वोच्च 194 रेटिंग अंकों के साथ 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस रैंकिंग में अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई ने हमवतन मोहम्मद नबी की जगह ली है।

उमरजई के कुल 296 रेटिंग अंक हैं और वह दो पायदान ऊपर चढ़कर शीर्ष रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक आठ विकेट लेने वाले शमी इस बीच तीन पायदान ऊपर चढ़कर 609 रेटिंग अंकों के साथ गेंदबाजी रैंकिंग में 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी (649) ने गेंदबाजों की सूची में तीन पायदान ऊपर चढ़कर तीसरा स्थान हासिल किया है।

सुविचार

जब-जब हम चुप रहकर सब बर्दाश्त कर लेते है, तब तो दुनिया को अच्छे लगते है;एकाद बार सच्चाई बयां कर दो, तब सबसे बुरे लगने लगते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अत्याचारी का गुणगान क्यों?

इंटरनेट के ज़माने में लोग सुर्खियां बटोरने के लिए क्या-क्या नहीं करते! कुछ नेताओं ने तो इसके जरिए प्रसिद्धि पाने का बढ़िया फॉर्मूला ढूंढ़ लिया है ... 'कुछ भी उल्टा-सीधा बोलें, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करें, कुछ समय बाद यह दावा कर दें कि मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया।' तब तक टीवी डिबेट में छाए रहें। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आसिम आज़मी को और कुछ न सूझा तो मुगल बादशाह औरंगज़ेब का गुणगान कर बैठे। इनका 'तर्क' है कि तब 'हमारा जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) (विश्व जीडीपी का) 24 प्रतिशत था और भारत को (औरंगज़ेब के शासन काल के दौरान) सोने की चिड़िया कहा जाता था।' क्या किसी शासक का मूल्यांकन करने का एकमात्र आधार 'धन-दौलत' है? क्या अबू आज़मी औरंगज़ेब की बड़ाई कर महाराष्ट्र में अपनी पार्टी का जनाधार बढ़ाने का दांव चल रहे हैं, जो काफी कोशिशों के बावजूद कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई है? महाराष्ट्र की जनता इतनी जागरूक है कि अब ये पैंतरे काम नहीं आने वाले। औरंगज़ेब ने कितनी क्रूरता, बर्बरता और निर्दयता से शासन किया था, अब यह किसी से छिपा नहीं है। वास्तव में औरंगज़ेब कई बुराइयों का प्रतीक है। उसने अनगिनत हिंदू मंदिर तोड़े थे, जजिया कर लगाया था, तीर्थस्थलों का अपमान किया था। उसकी क्रूरता के निशान आज भी देखे जा सकते हैं। ऐसे शख्स के शासन काल की दो-चार बातों को आधार मानकर उसे इस तरह पेश करना कि गोया 'वह कोई महान हस्ती था', तो यह अस्वीकार्य है। अगर अर्थव्यवस्था की बेहतरी ही किसी शासक के श्रेष्ठ होने का प्रमाण है तो इस आधार पर हिटलर का भी गुणगान होने लगेगा, चूंकि जब उसने जर्मनी की बागडोर संभाली थी तो उद्योग-धंधों को काफी बढ़ावा मिला था। क्या इससे उसके गुनाहों को नज़र-अंदाज़ किया जा सकता है?

अबू आज़मी यह भी कहते हैं कि औरंगज़ेब के शासन काल में भारत की सीमा अफगानिस्तान और म्यांमार तक पहुंच गई थी। वे यह क्यों भूल जाते हैं कि औरंगज़ेब ने सीमा विस्तार से पहले क्या-क्या कांड किए थे? उसने अपने पिता और भाइयों के साथ कैसा सलूक किया था? दारा शिकोह की जिस तरह हत्या करवाई गई, उसका विवरण पढ़कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इस पर भी अबू आज़मी अपने फेसबुक पेज पर औरंगज़ेब का नाम बहुत ही आदर से लिखते हैं, जैसे उसने मानवता की बहुत बड़ी सेवा की थी! औरंगज़ेब के बारे में कुछ कथित इतिहासकारों ने बड़ी भ्रामक बातें फैला रखी हैं। ये विरोधाभासी भी हैं। एक तरफ कहा जाता है कि औरंगज़ेब टोपी सिलाई कर अपना खर्च चलाता था, दूसरी तरफ कहा जाता है कि वह राजकाज और सीमा विस्तार आदि में बहुत ज्यादा व्यस्त रहता था, उसकी ज़िंदगी का आखिरी हिस्सा सैन्य अभियानों में ही गुजर गया था! ये दोनों बातें एकसाथ कैसे संभव हैं? एक तरफ कहा जाता है कि औरंगज़ेब अपने लिए राजकोष से कुछ नहीं लेता था, दूसरी तरफ कहा जाता है कि उसका बहुत रौब था, पांच दशक तक मजबूती से राज किया! सवाल है- कौन अधिकारी या इतिहासकार ऐसे बादशाह से हिसाब मांग सकता था? क्या उसे अपनी गर्दन सलामत नहीं चाहिए थी? जब प्राकृतिक संपदा और कीमती धातुओं से संपन्न देश पर कब्जा था तो खर्चे की किसे फिक्र थी, रोकने वाला कौन था? औरंगज़ेब के समर्थन में कहा जाता है कि कई हिंदू राजा और उनके सैनिक भी उसके पक्ष में लड़े थे ... अगर वह इतना ही बुरा होता तो ये लोग उसके साथ क्यों थे? असल में यह बहुत बचकाना तर्क है। कई हिंदू राजा और उनके सैनिक तो (विभिन्न परिस्थितियों में) अंग्रेजों के साथ भी रहे थे। क्या इस आधार पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद के गुनाह भुला दें? जो राजा अंग्रेजों के साथ थे, वे अपना राजपाट बचाने के लिए ऐसा कर रहे थे और जो सैनिक उनके झंडे तले खड़े थे, वे अपने सेनापति का आदेश मान रहे थे। यह न भूलें कि वर्ष 1857 में कई राज परिवार अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति में कूदे थे, कई सैनिकों ने अंग्रेजों पर धावा बोल दिया था। उनका एक ही मकसद था- 'अंग्रेजों के अत्याचारों से मुक्ति'। इसी तरह औरंगज़ेब के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोबिंद सिंहजी महाराज जैसे दिव्य पुरुष आए थे। हमारे आदर्श ये होने चाहिएं, न कि कोई अत्याचारी बादशाह।

सामयिक

धनंजय मुंडे के इस्तीफे से महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान?

अशोक भाटिया

मो.: 9221232130

एक बात तो यह है कि उन्हें मनचाहे जिलों का संरक्षक भी नहीं दिया गया है. फडणवीस ने तानाजी सावंत, दीपक केसरकर और अब्दुल सत्तार जैसे नेताओं को दूर रखा, जो पार्टी के 'सर्व-संसाधन' हैं. दूसरी ओर, नई सरकार में शिंदे-सेना के पूर्व मंत्रियों के कई फैसलों को उलट दिया गया और कुछ की जांच की घोषणा की गई। अगर शिवसेना ने उचित सबक नहीं लिया, तो ऐसा नहीं है कि कुछ लोग 'मुंडे' नहीं होंगे।

महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे का इस्तीफा राजनेताओं और अपराधियों की मिलीभगत का जीवंत व ताजा उदाहरण है। यह सांठगांठ इस हद तक है कि धोखाधड़ी, कमिशनखोरी, रंगदारी वसूली, मारपीट और हत्याओं तक बात पहुंच जाती है। आरोपों से लगता है कि धनंजय शायद इसी जाल में फंसे हैं। बीड़ जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या इसी कड़ी का हिस्सा है। इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी वाल्मिक कराड और उनके गिरोह के साथियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। उनसे अपनी करीबी कबूल कर धनंजय भी गिरफ्त में आ गए।धनंजय मुंडे महाराष्ट्र सरकार में खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग संभाल रहे थे. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंत्री पद से इस्तीफा देने को कहा था. इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए फडणवीस ने कहा, 'महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने आज अपना इस्तीफा दे दिया है. मैंने इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और आगे की कार्रवाई के लिए इसे राज्यपाल के पास भेज दिया है.'

यहां बीड़ जिले में स्थित मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की पिछले साल दिसबंर में बड़ी निर्ममता से हत्या कर दी गई थी. इस मामले में मुंडे के करीबी वाल्मिक कराड को को गिरफ्तार किया गया है. इस हत्याकांड की कुछ चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें साफ दिखायी दे रहा है कि सरपंच को कैसे पहले निर्वस्त्र किया गया. फिर उन्हें बेरहमी से पाइप और दूसरे हथियारों से पीटा गया.एक तस्वीर में दिख रहा है कि सरपंच देशमुख अधमरी हालत में पड़े हुए, तब उन पर आरोपी सुदर्शन घुले ने पेशाब भी किया गया. इस मामले में मुख्य आरोपी वाल्मीकी कराड एनसीपी नेता और मंत्री धनंजय मुंडे का खास आदमी बोला जाता है. इस मामले में कांग्रेस विधायक और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार ने हत्याकांड से जुड़ी तस्वीरें शेयर करते हुए महायुति सरकार पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने आरोप लगाया है कि 'बीड कांड में हैवानों की ये तस्वीरें और वीडियो पिछले 2 महीने से राज्य के गृह मंत्री, उपमुख्यमंत्री के पास थीं. और फिर भी आपने धनंजय मुंडे का इस्तीफा न लेकर नैतिकता की हत्या कर दी!'उन्होंने आरोप लगाया कि 'पुलिस स्टेशन में सीसीटीवी बंद करने के बाद वाल्मिक कराड को पुलिस हिरासत में सभी पांच सितारा सुविधाएं दी गईं. ये सब क्यों? जहां महागठबंधन के मंत्री धनंजय मुंडे के खासमखास और उनके बिना इस मंत्री का पन्ना नहीं हिलता, वहीं हैवान वाल्मीक कराड और उनके साथियों पर गृह मंत्री, उपमुख्यमंत्री और पुलिस का लाड़-प्यार था.पूरे महाराष्ट्र को गुस्सा दिलाने वाली संतोष देशमुख की हत्या की तस्वीर अब महाराष्ट्र के सामने आ गई है. लेकिन इस सरकार ने धनंजय मुंडे का इस्तीफा स्वीकार करने की हिम्मत नहीं दिखाई. इस्तीफा देने में बहुत देर हो चुकी है, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को अब इस्तीफा दे देना चाहिए!'

गौरतलब है कि इतने लंबे समय तक, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अजीतदादा पवार के वाहन के साथ एकजुट एनसीपी की राजनीतिक चुनौती को कुचलने की कोशिश की। एनसीपी विभाजित थी। भाजपा की रणनीति सफल रही। अब भाजपा अजितदादा और उनकी एनसीपी के अस्तित्व को कुचलने के लिए उसी बर्तन का इस्तेमाल करेगी, जिनके पैर वहां थे। मीडिया ने पहले ही संकेत दिए थे कि धनंजय मुंडे का इस्तीफा ले लिया गया था।पहला संकेत यह है कि मीडिया ने जो भविष्यवाणी की थी वह सच होने लगी है। यह अंतिम नहीं है, बिल्कुल। अब इस सरकार के माणिकराव कोकाटे इसका शिकार होंगे। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के मंत्रियों के कुछ मामले सामने आएं तो चौंकिएगा मत।

यह एक काले पत्थर पर एक रेखा थी जिसे उन्हें उन्हें देना था। मीडिया ने कुछ समय से मुंडे को मंत्रिमंडल से हटाने की आवश्यकता व्यक्त की थी और कहा था कि यदि वह या उनके नेता अजितदादा अपने आप इस्तीफा देने के लिए तैयार नहीं हैं, तो मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा था कि मुंडे को उनका हाथ पकड़कर निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। मुंडे ने स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं दिया है। इसमें महीनों नहीं लगे होंगे। धनंजय मुंडे का इस्तीफा तब लिया गया जब यह महसूस किया गया कि उनका मामला बहुत गंभीर होगा। मुख्यमंत्री फडणवीस मुंडे और अजीतदादा के लिए ऐसा समय लेकर आए। यह मुंडे महाभारत पिछले तीन महीने से चल रही है। मुख्यमंत्री ने आधिकारिक तौर पर इसे 'अजीतदादा का फैसला' बताया। यानी अजीतदादा को यह तय करना चाहिए कि मुंडे को मंत्रिमंडल में रखना है या नहीं क्योंकि वह अजितदादा की पार्टी के हैं । सिद्धांत रूप में या कागज पर, यह उचित है, लेकिन केवल कागज पर। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुख्यमंत्री ने 'आप इस्तीफे के बारे में देखते हैं' का रुख अपनाया है, लेकिन साथ ही, उन्होंने भाजपा विधायक सुरेश दास या कथित सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया को चुप करा दिया, जो मुंडे के पीछे हाथ धो रही थीं। नहीं। दमानिया की बात को कुछ समय के लिए छोड़ा जा सकता है। क्योंकि वह भाजपा की आधिकारिक सदस्य नहीं हैं। लेकिन दास के बारे में क्या? मुख्यमंत्री का प्रत्यक्ष हित हो भी सकता है और नहीं भी; लेकिन फडणवीस का आशीर्वाद दास के लिए निश्चित था।

फडणवीस ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में उपस्थिति दर्ज कराई और एक सार्वजनिक बयान दिया और दास को अवाक रखा। यही बात दमानिया के साथ भी है। भले ही वह आधिकारिक तौर पर भाजपा से नहीं हैं, लेकिन उन्हें मुंडे के खिलाफ इतने दस्तावेज और 'अंदरूनी जानकारी' कैसे मिली।दूसरी तरफ पार्टी के बाहर से दमानिया और तीसरी तरफ मीडिया मुंडे के खिलाफ रैली करती रही और यह केवल तभी हुआ जब यह सुनिश्चित हो गया कि यह जारी रहा कि मुंडे को पद छोड़ना पड़ा। यह पढ़कर कोई भी हैरान रह जाएगा कि सीएम फडणवीस ने मुंडे को पहले ही नारियल क्यों नहीं दिया? इसका सीधा सा जवाब है: मुंडे जितने लंबे समय तक कैबिनेट में रहेंगे, भाजपा के लिए यह उतना ही सुविधाजनक होगा कि वह उन पर और उनके संरक्षक अजितदादा के सफेद कुड्डा पर अधिक से अधिक सींग फेंकते रहें। अगर अजितदादा और उनके सहयोगी खुद कीचड़ उछाल रहे हैं, तो भाजपा उन्हें क्यों रोके?

वास्तव में, अगर फडणवीस ने इसे अपने दिमाग में लाया होता, तो मुंडे को घर भेजा जा सकता था और मामला कभी शांत नहीं हो सकता था। लेकिन फिर वह राजनीति क्या है? यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष व्यवस्था करके कि सत्तारूढ़ गठबंधन के महत्वपूर्ण नेता के खिलाफ आग सत्तारूढ़ गठबंधन के महत्वपूर्ण नेता के खिलाफ आग को हवा देना जारी रखेगा, फडणवीस ने एक पार्टी को एक पत्थर में और दूसरे को उड़ाने के लिए अधिक शक्ति दी। जिस पार्टी को चोट लगी थी, वह निश्चित रूप से अजितदादा की राष्ट्रवादी है। और जिस पार्टी में उड़ान भरने की अधिक ताकत है वह विपक्ष है। यह मामला अब मुंडे तक सीमित नहीं रहेगा। धनंजय मुंडे अजीतदादा की ढाल थे। अब जब इसे हटा दिया गया है, तो अजीतदादा विपक्ष के चरण में होंगे।

उनका इस्तीफा टालकर उन्होंने एक तरह से उन्हें बचाने की कोशिश की, जिससे विपक्ष के हमले और तेज हो गए। यह एक बाघ की तरह है। एक बार जब यह मानव रक्त का स्वाद लेता है, तो इसे नरभक्षी बनने से रोकना मुश्किल होता है। राजनीति में एक बार सत्ताधारी दल का कोई मोहरा मारा जा सकता है तो नए शिकारी की तलाश में विपक्ष को रोकना मुश्किल होता है। और यहां, अजितदादा की एनसीपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना संभावित शिकारियों की सेना से लैस हैं. मुंडे के बाद अब नंबर कोकाटे होगा। अदालत ने निस्संदेह उन्हें भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराया है और अगर उनकी सजा पर रोक लगा दी जाती है, तो भी यह उनके खिलाफ दोष नहीं मिटाता है। इससे पहले जब सुनील केदार व अन्य के लिए समय आया तो सत्ता पक्ष ने उन्हें तत्काल नारियल देने की तत्परता दिखाई थी। इसलिए अब कोकाटे को बचाना मुश्किल है। इसका मतलब है कि पहले छह महीनों के भीतर अपराध और भ्रष्टाचार के कारणों से फडणवीस कैबिनेट के दो सदस्यों को घर भेजने का समय होगा। ये दोनों अजितदादा की एनसीपी से हैं। वहीं, साफ है कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना पर भी बीजेपी का दबाव बढ़ेगा।

एक बात तो यह है कि उन्हें मनचाहे जिलों का संरक्षक भी नहीं दिया गया है. फडणवीस ने तानाजी सावंत, दीपक केसरकर और अब्दुल सत्तार जैसे नेताओं को दूर रखा, जो पार्टी के 'सर्व-संसाधन' हैं. दूसरी ओर, नई सरकार में शिंदे-सेना के पूर्व मंत्रियों के कई फैसलों को उलट दिया गया और कुछ की जांच की घोषणा की गई। अगर शिवसेना ने उचित सबक नहीं लिया, तो ऐसा नहीं है कि कुछ लोग 'मुंडे' नहीं होंगे। दूसरा, धनंजय मुंडे के खिलाफ इस कार्रवाई के बाद अजीतदादा की एनसीपी भी शिंदे-सेना में किसी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए जरूरी सक्रियता दिखाएगी। ताकि भाजपा को जरूरत का गोला-बारूद मिल जाए और वह विपक्ष तक आसानी से पहुंच जाए। उद्धव ठाकरे की शिवसेना को नेता प्रतिपक्ष का पद दिया जाए और संभावित भाजपा विपक्ष को चुप करा दे दे तो बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं होगा।

'आने-जाने' वाले एकनाथ शिंदे और अजित दादा पवार के बाद भाजपा के लिए बाहरी लोगों को खुश रखने से ज्यादा जरूरी उन्हें गले लगाना है। इसे काव्यात्मक न्याय कहा जाता है। वही धनंजय मुंडे सच्ची कहानी सुनाकर खुश थे कि कैसे शरद पवार ने हाल तक अजीतदादा के साथ अन्याय किया था। मानो कथित अन्याय के निवारण की जिम्मेदारी उनके सिर पर है! अब उनके पास इस अन्याय को दूर करने के लिए केवल समय होगा। इन लोगों ने राजनीति में जो बोया है, वही उगने लगा है और यही उनको मिलने वाला है।

ट्वीटर टॉक

आज पर्यटन मंत्रालय में अधिकारियों-सहियोगियों के साथ सबकी साझेदारी से विकसित भारत का विजन देने वाले हमारे प्रिय प्रधानमंत्री जी को पोस्ट बजट वेबिनार में सुना। हमेशा की तरह उनसे समावेशी विकास का मंत्र मिला।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कोई भूखा न सोए की भावना के साथ हमारे कार्यकाल में इंदिरा रसोई की शुरुआत की गई थी। भाजपा सरकार आने के बाद इस योजना का नाम बदल कर अन्नपूर्णा योजना कर दिया। नाम बदलने के बाद इस योजना को मजबूत करने का संकल्प करना चाहिए था।

-अशोक गहलोत

परम पूज्य दयालु संत श्री श्री 1008 बालकदास जी महाराज के देवलोक गमन उपरांत, आज श्री राम भरोसे गौशाला आश्रम, जैतपुर में आयोजित सत्रहवीं भंडारा सभा में सम्मिलित होकर पूज्य गुरुदेव को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

धर्म में जीवनरक्षा

काशी के राजा ब्रह्मदत के शासन में धर्मपाल नाम का एक ब्राह्मण रहता था। वह बड़ा ही धर्मनिष्ठ और सदाचारी था। धर्मपाल ने अपने पुत्र को तक्षशिला पढ़ने के लिए भेजा। एक दिन किसी प्रसंगवश उस युवक ने अपने गुरु से कहा-'गुरुदेव! हमारे कुल में सात पीढ़ियों से कोई युवावस्था में नहीं मरा।' आचार्य विद्यार्थी की बात का सत्य जानने के लिए विद्यालय को दूसरे की देख-रेख में सौंपकर काशी रवाना हुए। रास्ते में उन्होंने बकरी की कुछ हड्डियां लीं और काशी में जाकर धर्मपाल ब्राह्मण से बोले, 'बहुत दुःख की बात है, तुम्हारा पुत्र असमय मृत्यु को प्राप्त हो गया।' यह सुनकर धर्मपाल हंसने लगा और बोला, 'महाराज! कोई और मरा होगा, हमारे कुल में सात पीढ़ियों से कोई युवा नहीं मरा।' आचार्य बोले, 'ये हड्डियां तुम्हारे लड़के की हैं।' धर्मपाल ने उन्हें बिना देखे ही कहा, 'यह हड्डियां भेड़-बकरी की होंगी, ये हमारे परिवार से किसी की नहीं हो सकती।' अंत में आचार्य ने सच बताया और उनके कुल में सात पीढ़ियों से किसी युवा की मृत्यु न होने का रहस्य पूछा। धर्मपाल ने कहा, 'महाराज! हम धर्म का आचरण करते हैं, सत्य बोलते हैं, जरूरतमंदों की सेवा करते और दान देते हैं। इस प्रकार धर्म की रक्षा करने पर धर्म हमारी रक्षा करता है।'

नजरिया

प्रधानमंत्री मोदी और जैव विविधता

मुकुंद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस पर ग्रह की अविश्वसनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, विश्व वन्यजीव दिवस पर हम अपने ग्रह की अविश्वसनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। इसमें हर प्रजाति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आइए आने वाली पीढ़ियों के लिए उनके भविष्य की रक्षा करें। हमें वन्यजीवों के संरक्षण और सुरक्षा में भारत के योगदान पर भी गर्व है। प्रधानमंत्री का वन्यजीव प्रेम किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने अपने गृह राज्य गुजरात में विश्व वन्यजीव दिवस पर जूनागढ़ जिले में स्थित गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लिया और एशियाई शेरों को करीब से देखा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डीएसएलआर कैमरे से एशियाई शेरों की तस्वीरें खींचते नजर आए। उन्होंने एक ऐसी भी तस्वीर खींची जिसमें मादा शेरनी अपने शावक को दुलारती नजर आ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में एक वीडियो क्लिप भी अपलोड की। इसमें वो भारत की परंपरा में जैव विविधता के प्रति स्वाभाविक आग्रह का जिक्र कर रहे हैं। यह क्लिप 2023 की है। कर्नाटक के मैसूरु में प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूरे होने के स्मरणोत्सव कार्यक्रम में उन्होंने विचार रखे थे। उन्होंने दुनिया भर के वन्यजीव प्रेमियों के मन में अन्य देशों, जहां बाघों की आबादी या तो स्थिर है या फिर उसमें गिरावट हो रही है, की तुलना में भारत में बाघों की बढ़ती आबादी के बारे में उठने वाले सवालों को दोहराया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, भारत इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था के बीच संघर्ष में विश्वास नहीं करता, बल्कि वह दोनों के सह-अस्तित्व को समान महत्व देता है। यहां यह महत्वपूर्ण है कि जबसे मोदी सरकार आई है तब से देश ने बाघों के संरक्षण में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। वर्ष 2010 में भारत में करीब 1,700 बाघ थे। वर्ष 2022 में उनकी संख्या बढ़कर 3,600 से भी ज्यादा हो गई है। यानी सिर्फ 12 साल में बाघों की संख्या दोगुनी हो चुकी है। आज, दुनिया के करीब 75 फीसद बाघ भारत में रहते हैं। यह वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक बड़ी सफलता है और हम सब भारतवासियों के लिए गर्व का पल है। यह सरकार और समाज के सामूहिक प्रयास से संभव हुआ है।

मोदी सरकार के कठोर प्रतिबंधों की भी इसमें बड़ी भूमिका है। सरकार ने बाघों के शिकार करने पर पूरी तरह से पाबंदी लगाई है। यही नहीं, बाघों के रहने वाले जंगलों को पूरी तरह से सुरक्षित किया गया ताकि वह अपना जीवन बिना किसी खतरे के जी सकें। बाघों के शिकार (जैसे हिरण) की संख्या पर ध्यान दिया गया ताकि बाघों को पर्याप्त भोजन मिलता रहे। समाज को बाघों से जुड़ी जानकारी दी गई और गांवों में बाघों से जुड़े संघर्षों को कम करने के उपायों पर तेजी से काम किया गया। प्रधानमंत्री मोदी का जूनागढ़ जिले में स्थित गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लेना अनायास नहीं है। दरअसल भारत में शेरों की आबादी भी बढ़ी है। वैसे भी देश में शेरों का संरक्षण सांस्कृतिक और पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण है। शेर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का अभिन्न और महत्वपूर्ण अंग हैं। शेरों का भारतीय मुद्रा और आधिकारिक दस्तावेजों में दिखाई देता है। भारत एशियाई शेरों का घर है। एशियाई शेर सिर्फ गुजरात के गिर के जंगलों में पाए जाते हैं। इस क्षेत्र में संरक्षण प्रयासों ने शेरों की आबादी को 2015 में लगभग 523 से बढ़ाकर 2020 में लगभग 674 तक पहुंचा दिया। केंद्र सरकार की 15 अगस्त, 2020 को घोषित प्रोजेक्ट लायन महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य लंबे एशियाई शेरों के भविष्य को सुरक्षित करना है।

गुजरात में शेरों की संख्या और स्वास्थ्य की निगरानी के लिए नियमित रूप से गणना की जाती है। इसके अलावा आग प्रबंधन, बाढ़ की तैयारी और निरंतर वन्यजीव निगरानी जैसे उपाय यह सुनिश्चित करते हैं कि शेरों के पास सुरक्षित आवास हों और किसी भी आपात स्थिति का तुरंत समाधान किया जाए। बड़ी बात यह है कि अप्रैल 2023 में शुरू किया गया इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस दुनिया भर में शेरों सहित बड़ी बिल्लियों के संरक्षण में अहम भूमिका निभा रहा है। शेरों के इतिहास की बात करें तो वह 30 लाख वर्ष पूर्व अफ्रीका और यूरेशियन महाद्वीप में विचरण करते थे। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि वर्तमान में पृथ्वी पर शेरों की उपस्थिति 30,000 से 100000 के बीच है।

जहां तक गिर वन्यजीव अभयारण्य का सवाल है तो वह एशिया में शेरों का एकमात्र निवास स्थान होने के कारण जाना जाता है। गिर अभयारण्य 1424 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 258 वर्ग किलोमीटर में राष्ट्रीय उद्यान और 1,153 वर्ग किलोमीटर वन्य प्राणियों के लिए आरक्षित अभयारण्य है। पास में ही मितीयाला वन्य जीव अभयारण्य है।माना जाता है कि विश्व में अफ्रीका के बाद गिर में शेर बचे हैं। गिर के जंगल को सन 1969 में वन्य जीव अभयारण्य घोषित किया गया था। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्र सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट लॉयन के तहत 2900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की है। एशियाई शेर गुजरात के नौ जिलों के 53 तालुकाओं में लगभग 30 हजार वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं। राष्ट्रीय परियोजना के तहत जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20.24 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर वन्यजीवों के चिकित्सीय निदान एवं रोगों से बचाव के लिए राष्ट्रीय रेफरल केंद्र स्थापित किया जा रहा है। सासण में उच्च तकनीक से युक्त निगरानी केंद्र और एक अत्याधुनिक अस्पताल स्थापित किया है। (हिं.स.)

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पूजा-अर्चना

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान अपने परिवार के साथ बुधवार को उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

क्रेमलिन ने कहा, 2022 का यूक्रेनी आदेश जेलेंस्की को पुतिन के साथ बातचीत करने से रोकता है

मॉस्को/एपी

रूस ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति का साल 2022 का एक आदेश वोलोदिमीर जेलेंस्की को उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत में शामिल होने से रोकता है, ऐसे में सवाल उठता है कि तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए संभावित शांति वार्ता में कौन हिस्सा ले सकता है।

क्रेमलिन (रूस का राष्ट्रपति कार्यालय) के प्रवक्ता दमित्रि पेस्कोव ने मॉस्को में अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के रूसी पक्ष के साथ बातचीत में शामिल होने पर अभी भी कानूनी तौर पर रोक है।

पेस्कोव ने कहा कि जेलेंस्की का मंगलवार को रूस के साथ जल्द से जल्द शांति वार्ता के लिए तत्परता व्यक्त करना सकारात्मक घटनाक्रम है। हालांकि, उन्होंने यूक्रेनी आदेश की ओर इशारा करते हुए कहा, लेकिन स्थिति अब भी नहीं बदली है।

रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों के संदर्भ में हाल-फिलहाल में न तो यूक्रेन और न ही पश्चिमी देशों के किसी अधिकारी ने इस यूक्रेनी आदेश पर कुछ कहा है। जेलेंस्की ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के सात महीने बाद सितंबर 2022 में इस आदेश पर दस्तखत किए थे।

ट्रंप प्रशासन ने जेलेंस्की पर युद्ध की समाप्ति का दबाव बनाने के लिए यूक्रेन को दी जाने वाली महत्वपूर्ण सैन्य सहायता सोमवार को निलंबित कर दी थी। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप को खुश करने के जेलेंस्की के प्रयासों के बाद यह सहायता बहाल की जाएगी या नहीं।

फ्रांस सरकार की प्रवक्ता सोफी प्राइमास ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि जेलेंस्की अपने फ्रांसीसी समकक्ष इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर के साथ वाशिंगटन की यात्रा कर सकते हैं।

प्राइमास ने कहा, ऐसी संभावना है कि राष्ट्रपति मैक्रों यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और ब्रिटिश प्रधानमंत्री के साथ वाशिंगटन की यात्रा कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी।

मुलाकात

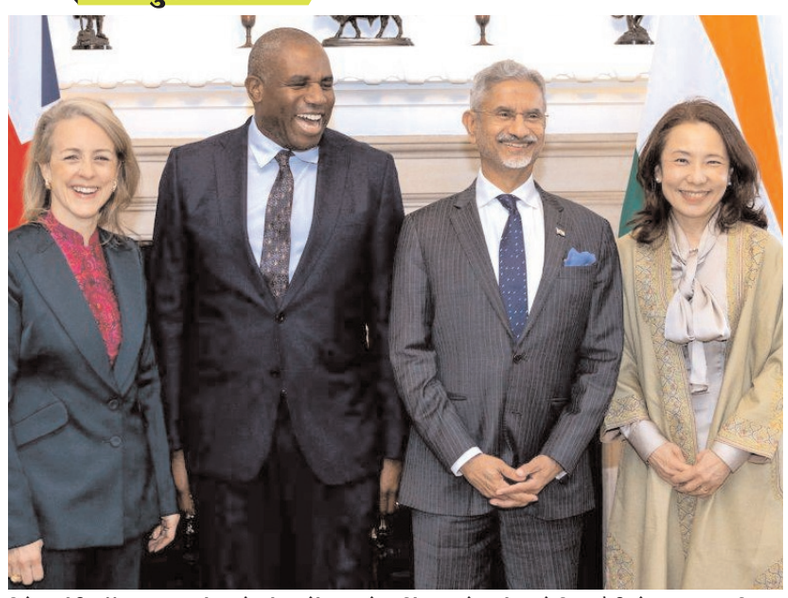

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने लंदन में यूनाइटेड किंगडम के सांसद डेविड लैमी से मुलाकात की।

बांग्लादेश को हसीना के प्रत्यर्पण संबंधी अनुरोध पर भारत से 'कोई आधिकारिक जवाब' नहीं मिला: यूनुस

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने कहा है कि ढाका ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करते हुए भारत को ''औपचारिक पत्र'' भेजे थे, लेकिन नई दिल्ली से ''कोई आधिकारिक जवाब'' नहीं मिला। सरकारी समाचार एजेंसी 'बीएसएस' की खबर के अनुसार, ब्रिटेन के चैनल 'स्काई न्यूज' को दिए साक्षात्कार में यूनुस ने कहा कि हसीना पर ''मानवता के खिलाफ अपराध'' के लिए मुकदमा चलाया जायेगा। बांग्लादेश में पिछले वर्ष छात्रों के नेतृत्व में व्यापक पैमाने पर हुए प्रदर्शन के बाद हसीना (77) भारत आ गई थीं और वह गत पांच अगस्त से भारत में रह रही हैं।

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने हसीना और कई पूर्व कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों और सैन्य एवं असैन्य अधिकारियों के खिलाफ ''मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार'' के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। यूनुस ने कहा, मुकदमा चलाया जाएगा। न केवल उनके (हसीना) खिलाफ, बल्कि उनसे जुड़े सभी लोगों के खिलाफ भी। बांग्लादेश ने उनके खिलाफ दो गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

यूनुस ने कहा कि उन्होंने ''औपचारिक पत्र'' भेजे थे, लेकिन नई दिल्ली से ''कोई आधिकारिक जवाब'' नहीं मिला।

'वीर हनुमान' 11 से होगा प्रसारित

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब का नया शो वीर हनुमान' 11 मार्च से प्रसारित होगा। सोनी सब अपने दर्शकों के लिए भगवान हनुमान के जीवन पर आधारित एक अनोखी प्रस्तुति 'वीर हनुमान' लेकर आ रहा है,जिसमें युवा मारुति के कम ज्ञात सफर को दर्शाया गया है। यह शो दिखाएगा कि कैसे वे अपने सच्चे उद्देश्य की खोज करते हैं और अपने दिव्य भविष्य के लिए खुद को तैयार करते हैं। स्वस्तिक प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित आस्था और भक्ति से परिपूर्ण यह शो 11 मार्च से शुरू होगा और हर सोमवार से शनिवार रात 7:30 बजे प्रसारित किया जाएगा।यह शो हनुमान के बचपन और उनके अटूट समर्पण व शक्ति को जीवंत रूप में प्रस्तुत करेगा। इस अद्भुत कथा और समृद्ध कहानी कहने की शैली के माध्यम से, यह शो भारत के सबसे पूजनीय देवताओं में से एक, हनुमान, को नई पीढ़ी के दर्शकों तक पहुँचाने के लिए तैयार है। बाल हनुमान की भूमिका में आन तिवारी नज़र आएंगे, जबकि सायली सालुंखे, अंजनी की भूमिका निभाएंगी। आरव चौधरी केसरी के रूप में दिखेंगे और माहिर पांधी बाली एवं सुग्रीव के प्रभावशाली दोहरे किरदार में नजर आयेंगे।

सोनी सब के बिजनेस हेड अजय भालवनकर ने कहा,सोनी सब में हम उन कहानियों को प्रस्तुत करने में विश्वास रखते हैं जो दर्शकों के दिलों को छूती हैं। भगवान हनुमान की कथा पीढ़ियों से पूजनीय रही है, और हम इसे एक नई और आकर्षक शैली में प्रस्तुत करने के लिए उत्साहित हैं। उनका जीवन अपार शक्ति और आस्था का प्रतीक है, और हमें उम्मीद है कि यह शो पूरे भारत में परिवारों को प्रेरित करेगा और जोड़कर रखेगा। एक ऐसे चैनल के रूप में जो हमेशा पारिवारिक मनोरंजन को बढ़ावा देता आया है, हमें विश्वास है कि यह शो परिवारों को एक साथ बैठकर इस अद्भुत महागाथा का आनंद लेने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

स्वस्तिक प्रोडक्शंस के संस्थापक और चीफ क्रिएटर सिद्धार्थ कुमार तिवारी ने कहा,हनुमान केवल एक योद्धा नहीं हैं; वे एक भावना हैं,विश्वास की, साहस की, असीम शक्ति की। वीर हनुमान उनकी आत्मा की यात्रा है, जो हमने सुनी हुई कहानियों से परे है, जो उन्हें शाश्वत बनाती है। यह केवल उनकी कहानी को फिर से बताने तक सीमित नहीं है; यह हनुमान की शक्ति का अनुभव करने के बारे में है जो आपके साथ रहती है, आपको प्रेरित करती है, और आपके भीतर कुछ जागृत करती है। हनुमान केवल एक देवता नहीं हैं।वे हमें याद दिलाते हैं कि जब हम खुद से बड़ी किसी चीज़ के सामने समर्पण करते हैं तो हम क्या बन सकते हैं।

आरव चौधरी ने कहा,वीर हनुमान में केसरी का किरदार निभाना एक अविश्वसनीय सम्मान और गहरा संतुष्टिदायक अनुभव है। केसरी केवल एक योद्धा राजा नहीं हैं, बल्कि एक समर्पित पिता हैं जिनके प्यार, ज्ञान और अटूट विश्वास ने हमारी पौराणिक कथाओं में सबसे महान दिव्यात्माओं में से एक के मार्ग को आकार देने में मदद की। हम सभी भगवान हनुमान के अविश्वसनीय कारनामों से परिचित हैं, वीर हनुमान युवा मारुति की कम ज्ञात यात्रा पर प्रकाश डालता है। उनके शुरुआती जीवन, उनकी असीम ऊर्जा, और अपने दिव्य नियति की तैयारी के दौरान अपने सच्चे उद्देश्य की खोज। मुझे उम्मीद है कि दर्शक विश्वास, शक्ति और भाग्य की इस खूबसूरत कहानी से जुड़ेंगे, और वीर हनुमान उनके दिलों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ेंगे।

शरीफ ने पाकिस्तान की भूमिका को 'स्वीकार' करने के लिए ट्रंप को धन्यवाद दिया

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आतंकवाद रोधी प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका को ''स्वीकार करने और उसकी सराहना करने'' के लिए बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया।

ट्रंप ने मोहम्मद शरीफुल्ला उर्फ ''जफर'' की ''गिरफ़्तारी में मदद'' करने के लिए पाकिस्तानी सरकार को धन्यवाद दिया है। शरीफुल्लाह ने 2021 में एबी गेट हमले सहित कई घातक हमलों के लिए आईएसआईएस-के की ओर से गतिविधियों का समर्थन और संचालन किया था। हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एचकेआईए) पर 26 अगस्त, 2021 को हमला उस समय हुआ था, जब अमेरिकी और अन्य गठबंधन सैन्य बल अफगानिस्तान में अमेरिकी अभियान को समाप्त करने के तहत हवाई अड्डे पर निकासी अभियान संचालित कर रहे थे। हमला तालिबान द्वारा काबुल पर नियंत्रण हासिल करने के कुछ ही दिनों बाद हुआ था।

शरीफ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आतंकवादी एक अफगान नागरिक है और उसे अफगानिस्तान की सीमा पर एक अभियान में पकड़ा गया है। शरीफ ने कहा, हम क्षेत्र में आतंकवाद रोधी प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका और समर्थन को स्वीकार करने और उसकी सराहना करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद देते हैं, जिसका संदर्भ हाल ही में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा आईएसकेपी के शीर्ष स्तर के कमांडर शरीफुल्ला को पकड़े जाने से है, जो एक अफगानिस्तानी नागरिक है।

फिल्म 'नमस्ते लंदन' 14 को दोबारा रिलीज होगी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार विपुल अमृतलाल शाह की सुपरहिट फिल्म 'नमस्ते लंदन' 14 मार्च को दोबारा रिलीज़ होगी। विपुल अमृतलाल शाह बॉलीवुड के जाने-माने फिल्ममेकर हैं, जिन्होंने कई शानदार फिल्में बनाई हैं। इन्हीं में से एक है 'नमस्ते लंदन' (2007), जो आज भी दर्शकों की पसंदीदा फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में ऋषि कपूर, अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ, नीना वाडिया, जावेद शेख, उपेन पटेल और क्लाइव स्टैंडन जैसे बेहतरीन कलाकार नजर आए थे। यह फिल्म सिर्फ एक दिल जीतने वाली एंटरटेनिंग लव स्टोरी ही नहीं थी, बल्कि बॉक्स ऑफिस पर कमर्शियल हिट भी बनकर सामने आई।जैसे ही फिल्म अपनी रिलीज़ के महीने में पहुंची है, अब इसे इस होली 14 मार्च को फिर से बड़े पर्दे पर दिखाने की तैयारी है। मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया पर 'नमस्ते लंदन' की री-रिलीज़ का ऐलान किया है। उन्होंने एक मूविंग पोस्टर शेयर करते हुए बताया कि फिल्म 14 मार्च को दोबारा सिनेमाघरों में लौट रही है। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा:इस होली, 14 मार्च को बड़े पर्दे पर नमस्तेलंदन की री-रिलीज़ का ऐलान करते हुए बेहद खुश हैं!एक बार फिर तैयार हो जाइए जादू भरे गाने, आइकॉनिक डायलॉग्स और टाइमलेस रोमांस को बड़े पर्दे पर जीने के लिए!

'नमस्ते लंदन' को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया था, और इसे दर्शकों से जबरदस्त प्यार मिला। फिल्म में हास्य, इमोशनल मोमेंट्स, मज़ेदार डायलॉग्स और अक्षय कुमार-कैटरीना कैफ की शानदार केमिस्ट्री ने इसे एक परफेक्ट एंटरटेनर बना दिया। सिर्फ लोगों के दिलों में ही नहीं, बल्कि बॉक्स ऑफिस पर भी इस फिल्म ने अपनी छाप छोड़ी। 2007 में रिलीज़ हुई यह फिल्म उस साल की नौवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनी, जो इसकी जबरदस्त सफलता को साबित करता है। इसके अलावा, विपुल अमृतलाल शाह अपनी अगली फिल्म 'हिसाब' लेकर आ रहे हैं, जिसे सनशाइन पिक्चर्स और जियो स्टूडियोज के साथ मिलकर बनाया गया है। यह फिल्म विपुल अमृतलाल शाह द्वारा प्रोड्यूस और डायरेक्ट की गई है, जबकि आशिन ए शाह इसके को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में जैदीप अहलावत और शेफाली शाह अहम किरदारों में नजर आएंगे। 'हिसाब' इस साल के अंत तक रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

प्रचार

कोरियोग्राफर और फिल्म निर्देशक रेमो डिसूज़ा अभिनेत्री इनायत वर्मा और अभिनेता नासिर और अभिषेक बच्चन अपनी आगामी फिल्म 'बी हैप्पी' के प्रचार के दौरान।

फिल्म 'माय मेलबर्न' का पहला गाना 'रुकना नहीं' किया रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

ऑस्कर विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान ने बहुप्रतीक्षित एंथोलॉजी माय मेलबर्न का पहला गाना 'रुकना नहीं'रिलीज कर दिया है। गाना 'रुकना नहीं'संगीत के ज़रिए एकता और सशक्तिकरण का जश्न मनाता है। इसे अफगानी गायिका आर्याना सईद ने गाया है, जो इस गाने के साथ हिंदी संगीत में डेब्यू कर रही हैं। काबुल में जन्मी आर्याना न केवल अफगान संगीत और संस्कृति का एक बड़ा नाम रही हैं, बल्कि महिला अधिकारों के लिए भी मुखर रही हैं। फिलहाल, वह लंदन में रह रही हैं। इस गाने के बोल और संगीत अनुराग शर्मा ने तैयार किए हैं। माय मेलबर्न एक एंथोलॉजी फिल्म है, जिसमें चार प्रभावशाली कहानियाँ शामिल हैं। इसे जाने-माने फिल्म निर्माता कबीर खान, इम्तियाज़ अली, ओनिर और रीमा दास ने निर्देशित किया है। यह फिल्म मेलबर्न के बहुसांस्कृतिक माहौल में मानवीय जुड़ाव, संघर्ष और पहचान की कहानियों को उजागर करती है। यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और जाति, लिंग, यौन पहचान और विकलांगता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे मेलबर्न के विविध समुदायों की झलक मिलती है। भारत में यह फिल्म 14 मार्च 2025 को रिलीज़ होने जा रही है। इस एंथोलॉजी के माध्यम से चार बड़े भारतीय फिल्मकारों ने मिलकर सांस्कृतिक विविधता और पहचान को उजागर करने वाली अनूठी कहानियाँ प्रस्तुत की हैं। ए.आर. रहमान की शानदार धुनों और आर्याना सईद की सुरीली आवाज़ के साथ, गाना ' रुकना नहीं'न केवल माय मेलबर्न के लिए एक सशक्त शुरुआत है, बल्कि यह सांस्कृतिक सौहार्द का भी उत्सव मनाता है।

फिल्म 'सिकंदर' का पहला गाना 'जोहरा जबीन' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान की आने वाली फिल्म सिकंदर का पहला गाना जोहरा जबीन रिलीज हो गया है। सलमान खान की मोस्टअवेटेड फिल्म 'सिकंदर' का का पहला गाना जोहरा जबीन रिलीज हो गया है। इस फिल्म का निर्देशन ए. आर. मुरुगादॉस ने किया है, जबकि इसे साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। गाना जोहरा जबीन इस ईद को खास बनाने के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। जबरदस्त बीट्स, शानदार कोरियोग्राफी और सलमान खान और रश्मिका मंदाना की दमदार केमिस्ट्री के साथ, जोहरा जबीन दिलों और डांस फ्लोर्स दोनों पर आग लगाने के लिए तैयार है। यहगाना बड़े लेवल पर शूट किया गया है। इस गाने में शानदार विजुअल्स के साथ जबरदस्त ग्रैंड सेटअप और ढेरों डांसर्स की एनर्जी देखने को मिलती है, जो इसे और भी धमाकेदार बना देता है। पहली ही बीट से जश्न का माहौल बन जाता है। इस गाने में सलमान खान के परफेक्ट सिंक्रोनाइज्ड डांस मूव्स और रश्मिका की खूबसूरत अदाओं का जबरदस्त मेल देखने को मिलता है। प्रीतम के शानदार म्यूजिक और फराह खान की बेहतरीन कोरियोग्राफी के साथ, ज़ोहरा जबीं इस ईद के लिए म्यूजिक और डांस से सजा एक पूरा जश्न है। नक्श अज़ीज़ और देव नेगी की मस्त आवाज़ ने इसमें जान डाल दी है, तो वहीं समीर और दानिश साबरी के लाजवाब बोल सुनने के बाद भी दिमाग में गूंजते रहते हैं। जैसे-जैसे सिकंदर की ईद रिलीज़ करीब आ रही है, ज़ोहरा जबीन इस फिल्म की जबरदस्त दुनिया की एक झलक दिखाने वाला परफेक्ट गाना साबित हो रहा है।गौरतलब है कि सलमान खान आगामी ईद पर 'सिकंदर' के साथ बड़े पर्दे पर वापस आ रहे हैं।

विद्या बालन बनी फेडरल बैंक की ब्रांड एंबेसडर

नयी दिल्ली/एजेन्सी

निजी क्षेत्र के बैंक फेडरल बैंक ने अभिनेत्री विद्या बालन को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर बनाने की आज घोषणा की। बैंक ने यहां जारी बयान में कहा कि सुश्री बालन को फेडरल बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ के.वी.एस. मणियन द्वारा एक स्मारक स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की गयी। यह सहयोग ब्रांड की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि यह अपनी बाजार स्थिति को लगातार बढ़ा रहा है। हाल ही में विश्लेषकों की एक बैठक में बैंक की वरिष्ठ टीम ने बैंक के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तैयार किए थे और ब्रांड परिवर्तन महत्वपूर्ण विषयों में से एक था। बैंक के मुख्य विपणन अधिकारी एम वी एस मूर्ति ने कहा कि सुश्री बालन विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों, लिंगों और पीढ़ियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए एक बहुत ही रणनीतिक विकल्प थीं। उन्होंने कहा, हमें सुश्री बालन द्वारा फेडरल बैंक का समर्थन पाकर बेहद खुशी हुई है।

वह बहुमुखी हैं, सभी जनसांख्यिकी और लिंग के लोगों को आकर्षित करती हैं, उनके प्रशंसक पूरे भारत में हैं और वह बहुआयामी हैं। एक अभिनेता की तरह, वह कैमरे पर एक किरदार बन जाती हैं और स्क्रीन के बाहर अपने पारस्परिक संबंधों में हमें आकर्षित करती रहती हैं। उनकी तैयारी, बारीकियों को समझने की इच्छा और विभिन्न परिदृश्यों पर विचार करना, सभी उनकी हर भूमिका के सार को सामने लाने की उनकी क्षमता में योगदान करते हैं। हमने यह अनुभव किया है क्योंकि हम उन्हें बोर्ड में लाने की कोशिश कर रहे थे। मुझे यकीन है कि सुश्री बालन फेडरल बैंक से जुड़े सभी लोगों के लिए समृद्धि लाएगी।

बालन ने साझेदारी के बारे में कहा देश में विभिन्न ब्रांडों के लिए एक राजदूत होने के नाते, मेरा मानना है कि हम दुनिया को भारत की कहानी बता रहे हैं। और फेडरल बैंक, दक्षिण से लेकर उत्तर तक हमारी अर्थव्यवस्था को शक्ति प्रदान करने के मामले में सबसे आगे है। जब पीढ़ी दर पीढ़ी वफादार फ्रैंचाइज़ी रखने, देश में महिलाओं के लिए अग्रणी नियोक्ता होने, एक ऐसी कार्य संस्कृति बनाने की बात आती है, जहाँ लोग रुकते हैं और सर्वांगीण विकास में योगदान देते हैं, तो उनके पास बहुत व्यापक ब्रश है। मैं समुदायों और कारणों का समर्थन करने के उनके प्रयासों की गहराई से सराहना करता हूँ, जबकि एक बहुत ही मजबूत व्यवसाय का निर्माण जारी रखता हूँ। जब फेडरल बैंकर्स मुझे बताते हैं कि वे मूल रूप से मानव हैं, तो मैं वास्तव में उस वाइब को महसूस करता हूँ। फेडरल बैंक के साथ एक बहुत ही रोमांचक 'रिश्ता' की प्रतीक्षा कर रहा हूँ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | गुरुवार | 06-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आपसी सद्भावना के कम होने से मानवता कलंकित होती है, जीवन को सुकून और शांति नहीं मिलती, दुर्भावना के कारण मन में द्वेषभाव उत्पन्न होता है, ये सब जीवन की उन्नति के लिए बाधक तत्व हैं, इसीलिए सर्वप्रथम आपसी सद्भावना का विकास होना चाहिए। धर्म-आध्यात्म की बातों का क्रम उसके बाद आता है। साधु-संतों और प्रबुद्धजनों को, लोगों में आपसी सद्भावना बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य करना चाहिए। जो लोगों को बांटने का काम करते हैं, वे धर्म और मानवता को कलंकित करते हैं। आने वाला समय इस दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। दुर्भावना से भरे मन को शांति कभी नहीं मिलती।

कोनियम्मन देवी मंदिर की रथयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

श्रद्धालु रथ पर नमक उछाल कर मांगते हैं मन्नत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के मुख्य बाजार के राजा स्ट्रीट में प्राचीन कोनियम्मन देवी मंदिर का वार्षिकोत्सव रथयात्रा का आयोजन किया गया। यह वार्षिक उत्सव सैकड़ों वर्षों से मनाया जा रहा है, जिसमें मंदिर के रथ की शोभायात्रा राजा स्ट्रीट से आरंभ होकर ओप्पनकारा स्ट्रीट, वैश्याल स्ट्रीट और करुप्पा गौंडर स्ट्रीट की गलियों से हाथ से खींचा जाता है।

मंदिर रथ को फूलों, आम के पत्तों से बने तोरन और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। भक्तगण गाड़ी खींचने के लिए बड़ी संख्या में एकत्रित होते हैं। इस उत्सव में संगीत, नृत्य और पारंपरिक लोक प्रदर्शन किए गए।

इस उत्सव में मंदिर के आसपास मेले का आयोजन किया जाता है। यह शहर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक प्रथाओं और रीति-रिवाजों को संरक्षित करने की इसकी क्षमता का प्रमाण है।

इस उत्सव में एक परम्परा है कि श्रद्धालु खड़ा नमक रथ की ओर उछालते है और अपने मन्नतें मांगते हैं। इस पर्व के दौरान विभिन्न स्थानीय समुदाय व प्रवासी समुदाय के लोग रोज मिल्क, छाछ, भोजन, नाश्ते व खाद्य पदार्थ वितरण के स्टॉल लगाते हैं।

इस मौके पर बड़ी संख्या में सनातन धर्म के लोग उपस्थित हुए। कोयम्बटूर की विधायक वनाति श्रीनिवास ने भी रथ खींचा और मानवसेवी कार्यो में सहयोग दिया।

सद्भावना के बिना धर्म-आध्यात्म का विकास संभव नहीं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिरियूर। बेंगलूरु की ओर विहाररत आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने बुधवार को उज्जीनकुंटे में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपसी सद्भावना के कम होने से मानवता कलंकित होती है, जीवन को सुकून और शांति नहीं मिलती, दुर्भावना के कारण मन में द्वेषभाव उत्पन्न होता है, ये सब जीवन की उन्नति के लिए बाधक तत्व हैं, इसीलिए सर्वप्रथम आपसी सद्भावना का विकास होना चाहिए। धर्म-आध्यात्म की बातों का क्रम उसके बाद आता है। साधु-संतों और प्रबुद्धजनों को, लोगों में आपसी सद्भावना बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य करना चाहिए। जो लोगों को बांटने का काम करते हैं, वे धर्म और मानवता को कलंकित करते हैं। आने वाला समय इस दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। दुर्भावना से भरे मन को शांति कभी नहीं मिलती। आचार्यश्री ने कहा कि सद्भावना धर्म की पहली सीढ़ी है। जो अपने मन को सद्भावनाओं से ओतप्रोत बनाते हैं, वे ही सच्चे अर्थों में धार्मिक बन सकते हैं। दुर्भावना तो अधर्म का प्रतीक है।

जो व्यक्ति सभी के प्रति सद्भावना का विकास नहीं कर सकता, वह साधना-आराधना की योग्यता भी प्राप्त नहीं कर सकता। धर्म सिर्फ पूजा-पाठ, विधि-अनुष्ठान, प्रार्थना, नमाज आदि का ही विषय नहीं है बल्कि धर्मतत्व तो मन की पवित्रता का स्वरूप है। आधुनिक युग में जाति, पंथ, धर्म, संप्रदाय, प्रान्त, भाषा और राजनीति को लेकर मनुष्य बंट गया है। सभी में परस्पर दुर्भावना बढ़ रही है। सद्भाव और विश्वास कम हुआ है। इसे धार्मिक-आध्यात्मिक विकास नहीं कहा जा सकता। यह पतन और अवनति की निशानी है।

प्रवचन के दौरान कर्नाटक के योजना मंत्री जी. सुधाकर ने विशेष रूप से उपस्थित होकर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया। इस अवसर पर कर्नाटक में जैन साधुओं की पदयात्रा के दौरान आवास व विश्राम के लिए सरकारी स्कूलों को निर्देश मिलें, साधु-संतों की सुरक्षा के लिए सरकार ध्यान दे और गौशालाओं के लिए सरकार जमीन दे, ऐसे अनेक विषयों पर चर्चा हुई। मंत्री सुधाकर ने अपनी ओर से समाज को यथासंभव सहयोग देने का वचन दिया। समाज की ओर से उनका सम्मान किया गया।

केसरिया आदिनाथ जिनालय का अंजनश्लाका प्रतिष्ठा महोत्सव 9 से

भोजन कमेटी की बैठक में गठित हुई अनेक समितियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट शंकरपुरम के तत्वावधान में आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी एवं रत्नसंचयसूरीश्वरजी की निश्रा में श्री केसरिया आदिनाथ जिनालय की अंजनश्लाका प्रतिष्ठा निमित भव्य नवाह्निका पंचकल्याणक महामहोत्सव 9 मार्च से 17 मार्च तक मनाया जाएगा। ट्रस्ट के पारस भंडारी, भेरूमल भंडारी एवं मुकेश पुनमिया के नेतृत्व में भोजन समिति की बैठक मराठा होस्टल में निर्मित भरत चक्रवती भोजन मंडप में रखी गई। पारस भंडारी ने सभी सेवाभावी सदस्यों के सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी सदस्यों को सुबह का नाश्ता, दोनों समय की नवकारशी, चाय, पानी व शाही करबा आदि के लिए राशन खरीद से लेकर भोजन तैयार करवाने तक की सम्पूर्ण व्यवस्था संभालनी है।

इस मौके पर विभिन्न व्यवस्थाओं के मद्देनजर व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया। कैलाश संखलेचा ने बताया कि भोजन कमेटी में महेंद्रकुमार रांका, महावीर मेहता, सुरेन्द्र रांका, रमेश सोनेगरा, रमेश कोठारी, संतोष चौहान, महावीर श्रीश्रीमाल, प्रवीण पोरवाल, अनिल बैद, अनिल सकलेचा, धनपत मेहता, गजेंद्र चांदावत, सुरेश पिरगल, प्रकाश लुनावत, गौतम जीरावला, गौतम मुथा, गौतम भंडारी, किशोर पोरवाल, महेन्द्र छाजेड़, मंगलचंद नाहर, नरेश बांठिया, प्रदीप मेहता, राजेश विनायकिया, महावीर पारेख, शांतिलाल रांका, सुनील मोदी, उत्तम सालेचा, विनोद भंडारी, विनोदकरण मेहता, वीरचंद चोपड़ा, प्रवीण हिंगड़, अशोक संचेती आदि को शामिल किया गया है।

इसके साथ ही पंडाल व अन्य व्यवस्थाओं में अध्यक्ष मनोज बाफना के नेतृत्व में अखिल भारतीय मूर्तिपूजक युवक महासंघ से जुड़े विभिन्न मंडल अपनी सेवाएं देंगे।

करुणा क्लब विमेन विंग ने सिलाई मशीनें वितरित की

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए की सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर करुणा इंटरनेशनल क्लब विमेन विंग द्वारा एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीनें वितरित की गईं। इस आयोजन में क्लब की अध्यक्ष निरूमला वसंत छल्लाणी ने बताया कि इस सेवा का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक सुभाषचंस नरेश रांका परिवार थे। कार्यक्रम में हेमलता नाहर, मंजू बांठिया सहित अनेक महिला सदस्याएं उपस्थित थीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संत निवेदन

बेंगलूरु के जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में मंत्री नीरज कटारिया, उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिंवेसरा, पूर्व सहमंत्री विपुल पोरवाल, साधु साध्वी सेवा समिति चेयरमैन कपिल काल्या, सह चेयरमैन अर्चित पारेख आदि ने शहर में विराजित आचार्य अभयशेखरसूरीश्वरजी, आचार्यश्री वर्धमानसागरसूरीश्वरजी, मलयप्रभसागरजी आदि के दर्शन कर 10 अप्रैल को आयोजित 2624वें महावीर प्रभु जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया।

बेंगलूरु के श्याम श्रद्धालुओं ने खाटू श्याम मंदिर में चढ़ाए निशान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के श्याम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में 101 यात्रियों ने राजस्थान के रींगस पहुंचकर फाल्गुन मास में आयोजित बाबा श्याम के वार्षिक लक्खी मेले में भाग लिया। बुधवार को सुबह रींगस से, विधि विधान से निशान पूजा कर शोभायात्रा के साथ पैदल यात्रा करते हुए शाम को पूरी श्रद्धा व उल्लास के साथ श्रद्धालुओं ने खाटू श्याम मंदिर में रजत व वस्त्र से निर्मित निशान अर्पित किए। श्याम मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक रेवन्तमल झँवर, सुशील राणासरिया, प्रभात किशनपुरिया सहित अनेक सदस्यों ने निशानों की पूजा कर मंदिर में निशान अर्पण किए।

आहार का संयम जीवन में अति आवश्यक : विनयमुनि खींचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर जैन स्थानक में विराजित जैन मुनि श्री विनयमुनिजी खींचन ने अपने प्रवचन में कहा कि 'संयम में आहार और आहार का संयम' जीवन में अति आवश्यक है। भगवान महावीर ने आहार करने के छह कारण बताए हैं। भूख लगना या पेट खाली होना, यह प्रथम कारण सभी पशु-पक्षी और मनुष्यों पर लागू होता है। भूख सांसारिक जगत का अनिवार्य हिस्सा है। बिना आहार के जीवन लंबे काल तक नहीं चलता। दूसरा, सेवा-वैयावच्च करने के लिए आहार करते हैं अर्थात पैदल-विहार यात्रा में चक्कर आदि से बचने के लिए आहार करते हैं। संयम का पालन करने के लिए आहार होता है। प्राण, आयु, बल के लिए भी आहार किया जाता है।

क्रिकेटर शुभमन गिल बने एमआरएफ लिमिटेड के ब्रांड एंबेसडर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। देश की नंबर एक टायर निर्माता कंपनी 'एमआरएफ लिमिटेड' ने आईसीसी चैंपियंस कप में भारतीय टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। शुभमन गिल जिन्हें हाल ही में आईसीसी पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में नंबर वन वनडे बल्लेबाज घोषित किया गया है अब उन विशिष्ट क्रिकेटरों के समूह में शामिल हो गए हैं जो पहलेसे ही एमआरएफ परिवार से जुड़े हुए हैं। एमआरएफ लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. एम. मामेंन ने इस अवसर पर कहा कि वह शुभमन गिल का एमआरएफ परिवार में स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि हमारा यह रिश्ता अन्य महान क्रिकेटरों की तरह ही कायम रहेगा ।उन्होंने कहा कि शुभमन का क्रिकेट खेलना शानदार और प्रभावशाली है वे क्रिकेट के सभी प्रारूपों में जिस तरह का नेतृत्व कौशल दिखाते है वह प्रेरणादायक है। इस अवसर पर शुभमन गिल ने कहा कि एमआरएफ भारत में क्रिकेट के विकास का पर्याय बन चुका ब्रांड है।

जेपीएल प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट कल से

चेन्नई। जाट समाज द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता जाट प्रीमियर लीग का एक दिवसीय आयोजन शुक्रवार को एमवीआर क्रिकेट खेल मैदान आवडी में आयोजित किया गया है जिसमें कुल 8 टीम भवाल माता क्रिकेट क्लब, माया महादेव क्रिकेट क्लब, वीर तेजा क्रिकेट क्लब, महादेव क्रिकेट क्लब, नीलकंठ महादेव क्रिकेट क्लब, हर हर महादेव क्रिकेट क्लब, बालाजी क्रिकेट क्लब और मनकेश्वर महादेव क्रिकेट क्लब टीम भाग लेंगी। विजेता और उपविजेता को ट्रॉफी व मेडल दिए जाएंगे। जाट नवयुवक मण्डल के खेल मंत्री किशोर टाडा ने यह जानकारी दी।

निमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु जीतो द्वारा 23 मार्च को खुशियों के पल, संजय घोड़ावत के संग' विशेष प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जीतो केकेजी के संयोजक चंद्रगुप्त कटारिया, जीतो मैसूर के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल, जीतो मैसूर के मुख्य सचिव गौतम सालेचा आदि ने मैसूर कोडगु क्षेत्र के सांसद यदुवीर कृष्ण वाडेयार से उनके कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.